कड़ा लगाना	लदाव की छत बनाना।
कड़ा होना	निर्दय होना। भाव तेज होना।
कड़ाके का	जोर का। तेज। प्रचंड।
कड़ाही में हाथ डालना	अग्नि-परीक्षा देना।
कड़ी उठाना	मुसिबतें झेलना।
कड़ी छत	लदाव की छत। वह छत जो केवल चूने और ईंटों से पाटी गई हो, कड़ी या शहतीर के आधार पर न हो।
कड़ी धरती	वह प्रदेश जहां के लोग हट्टे कट्टे हों। भूत-प्रेत के रहने की जगह।
कड़ी पाटन	लदाव की छत। वह छत जो केवल चूने और ईंटों से पाटी गई हो, कड़ी या शहतीर के आधार पर ह न हो।
कड़ी बोलना	धरन से चिटकने की सी आवाज निकलना जो रहनेवाले के लिए अशकुन समझा जाता है।
कड़ी दृष्टि रखना	पूरी निगरानी रखना। ताक में रहना।
कड़ी दृष्टि होना	पूरी निगरानी होना। कोप का भाव रहना।
कड़ी सुनाना	खोटी-खरी सुनाना।
कडुआ करना	धन बिगाड़ना। रूपया लगाना। कुछ दाम खड़ा करना। औने पौने करना।
कडुआ घूंट	कठिन काम।
कडुआ मुंह	वह मुंह जिससे कटु शब्द निकले। कटुभासी मुख। उ०- खीरा को मुख काटि के मलियत लोन लगाय। रहिमन कडुए मुखन को चहिए यही उपाय। रहीम।
कडुए कसैले दिन	बुरे दिन। कष्ट के दिन। दो ऐसा दिन जिसमे रोग फैलता है। गर्भ का आठवां महीना जिसमें गर्भ गिरने का भय रहता है।
कतरनी सी जबान चलना	बकवाद करना। दूसरे की बात काटने को बहुत बकवाद करना।

कता करना	कपड़े को किसी नाप के अनुसार काटना। कपड़े को व्यौंतना।
कथा उठना	कथा बन्द या समाप्त होना।
कथा चुकाना	झगड़ा मिटाना। मामला खतम करना। काम तमाम करना। मार डालना। उ०- मैघनादै रिस बाई, मंत्र पढ़ि कै चलाइयौ बाण ही मैं नाग फांस बड़ी दुखदाइनी। ----- काहे की लराई उन कथा ही चुकाई जैसे पारा मारि डारत है पल मैं रसाइनी। हनुमान ।
कथा बैठना	कथा होना। कथा का प्रारम्भ होना।
कथा बैठाना	कथा कहने के लिए किसी व्यास को नियुक्त करना। पुराणादि की कथा का आयोजन करना।
कदम उखड़ना	पांव उखड़ना। भाग जाना।
कदम उठाना	आगे बढ़ना।
कदम चूमना	प्रणाम करना। शपथ खाना। गुरू मान लेना।
(किसी के) कदम छूकर कुछ कहना	किसी की शपथ खाकर कुछ कहना।
कदम छूना	प्रणाम करना। शपथ खाना। खुशामद करना।
कदम निकालना	(घोड़े को) कदम की चाल सिखाना। बाहर जाना।
कदम पर कदम रखना	पीछे पीछे चलना। पीछे लगना। अनुसरण करना। नक्ल करना। पैरवी करना। घोड़े की वह चाल जिसमें पैरतो चलते हैं किन्तु बदन नहीं हिलता। उ०- नाकदम रहै जौ लौं नाक दम रहै तौं लौं, नाकदम रहै जौ लौं नाकदम टारैंगे
कदम ब कदम चलना	साथ साथ चलना। अनुसरण करना।
कदम बढ़ाना	तेज चलना। चाल तेज करना। उन्नति करना। आगे बढ़ना।

कदम भरना	चलना। डग बढ़ाना।
कदम मारना	दौड़-धूप करना। यत्न-प्रयत्न करना।
कदम रखना	प्रवेश करना।
कदम लेना	पांव पड़ना। पांव छूकर प्रणाम करना। आदर-सत्कार करना।
कनकौवा काटना	किसी बढ़ी हुई पतंग की डोरी को दूसरी बढ़ी हुई पतंग की डोरी से रगड़कर काटना।
कनकौवा बढ़ाना	कनकौवे की डोर ढीली करना जिसमें वह हवा में और ऊपर या आगे जा सके।
कनकौवा लड़ाना	किसी बढ़ी हुई पतंग की डोरी में दूसरी बढ़ी हुई पतंग की डोरी को फंसाना जिसमें रगड़ लाकर दोनों में से कोई पतंग कट जाय।
कनकौवे से दुमछल्ला बड़ा	मुख्य वस्तु से अंगभूत, उससे उपजी वस्तु का बड़ा होना।
कनखी देना	रोकना।
कनखी मारना	आंख से इशारा करना। आंख के इशारे से किसी को कोई काम करने से रोकना।
कनखियों लगना	छिपकर देखना। ताकना। झांकना। उ०- धुनि किंकिनि होति जँगी सबै सुख सारिका चौंकि चितै परिहै। कनखैयन लागि रही हैं परोसिन को सिसकी सुनि कै डरिहैं। लाल।
कनखैयन लगना	छिपकर देखना। ताड़ना। झांकना। उ०- धुनि किंकिनि होति जँभैंमि सबै सुख सारिका चौंकि चितै परिहैं। कनखैयन लागि रही हैं परोसिन सो सिसकी सुनि कै डरिहैं। लाल
कनसुई। कनसुइयां लेना	छिपकर किसी की बात सुनना। ~~कनकना~~। भेद लेना। टोह लेना। आहट लेना। सगुन विचार

कनाई काटना	रास्ता काटकर दूसरे रास्ते निकल जाना। सामना बचाकर दूसरा रास्ता पकड़ना। किसी काम के लिए कह कर मौके पर निकल जाना। चालबाजी करना।
कनात करना	बचना। छोड़ना।
कनी खाना	हीरे की कनी निगलकर प्राण देना। हीरे की कन किरिच खाकर आत्मघात करना।
कनी चाटना	हीरे की कनी निगलकर प्राण देना। हीरे की किरिच चाटकर आत्मघात करना।
कनेव छेदना	पाये के छेदों को टेढ़ा छेदना जिससे चारपाई कन्नी हो जाय।
कनौतियां उठाना	कान खड़ा करना। चौकन्ना होना।
कनौतियां खड़ा करना	कान खड़ा करना। चौकन्ना होना।
कनौतियां बदलना	घोड़े का कान खड़ा करना। चौकन्ना होना। चौंककर सावधान होना।
कन्ना ढीला होना	थक जाना। शिथिल होना। ऐंठ ढीली पड़ जाना। जोर का टूटना। शक्ति और गर्व न रहना। मान मर्दन होना। हौसला पस्त होना।
कन्ना साधना	कन्ने की गांठ ठीक जगह बांधने के लिए उसकी लम्बाई नापना।
कन्नी काटना	सामने न आना। कतराना। सामने से निकल जाना।
कन्नी खाना	पतंग का उड़ने में एक ओर झुकना। पतंग का एक ओर झुक कर उड़ना। (इस प्रकार उड़ने से पतंग बढ़ नहीं सकती)।
(किसी की) कन्नी दबना	किसी के अधीन या वशीभूत होना। दबना। सहमना। झेंपना। लजाना।
कन्नी दबाना	काबू में, अधीनता में लाना।

कन्नै से कटना	मूल से अलग होना।पतंग का कन्नै पर से कट जाना।
कन्नै से काटना	मूल से अलग करना।
कपड़े आना	मासिक धर्म से होना।
कपड़ा उतार लैना	वस्त्र मोचन करना।खूब लूटना।सब कुछ छीन लैना।
कपड़ा रंगना	गैरुवा वस्त्र पहनना।योगी होना।विरक्त होना।
कपड़े छानना	पल्ला छुड़ाना।पिंड छुड़ाना।पीछा छुड़ाना।
कपड़ों में न समाना	फूले अंग न समाना।आनन्द से फूलना।
कपड़ों से होना	मासिक धर्म से होना।रजस्वला होना। एकवस्त्रा होना।
कपाल खुलना	भाग्य उदय होना।सिर खुलना।सिर से लोहू निकलना।
कपूर खाना	विष खाना।उ०थ बुढ़े जलजात कूर कदली कपूर सात दाडिम दरिक अंग उपमा न तौलै री।तेरे स्वास सौरभ को त्रिविध समीर धीर विविध लतान तीर बन बन डोलै री। । बेनी प्रवीन ।
कफन की कौड़ी न रखना	जो कमाना वह खा लैना।धन संचित न करना। कुछ भी बचा न रखना।अत्यन्त त्यागी होना (साधु के लिए)।
कफन की कौड़ी न होना	अत्यन्त दरिद्र होना।
कफन फाड़कर उठना	मुर्दे का जी उठना।सहसा उठ पड़ना।
कफन फाड़कर चिल्लाना	बहुत जोर से चिल्लाना।
कफन फाड़कर बोलना	बहुत जोर से बोलना।
कफन मैला न होना	मृत्यु को अधिक दिन न होना।मरे हुए को ही दिन होना। (मुसलमान)

कफन सिर से बांधना	मरने पर तैयार होना।जान जोखिम में डालना।जान पर खेलना।
कफ अफसोस मलना	हाथ मलना।पछताना।
कब ऐसा हो कब ऐसा करें	ज्योंहि ऐसा हो त्योंही ऐसा करें।
कब कब	कभी कभी।बहुत कम।उ०- कब कब मंगरू बोवै धान।सूखा डाले है भगवान।
कब का	कभी नहीं।नहीं।
कब नहीं	बराबर।सदा।
कबड्डी खेलते फिरना	बेकाम फिरना।इधर उधर घूमना।
कबड्डी खेलना	कूदना-फांदना।
कबाब करना	जलाना।दुःख देना।कष्ट पहुंचाना।पकड़कर सींचना।मलावरोध करना।
कबाब लगना	कबाब पकना।
कबाब होना	भुनना।जलना।क्रोध से जलना।
कबाला लिखना	किसी जायदाद पर कब्जा करना।जायदाद अधिकार में लाना।मालिक बनना।
कबाला लेना	किसी जायदाद पर कब्जा करना।जायदाद अधिकार में लाना।मालिक बनना।
कब्जा उठना	अधिकार का जाता रहना।
कब्जे पर हाथ रखना	किसी को मारने के लिए तलवार की मूंठ पकड़ना।तलवार खींचने पर उतारू होना।
कब्र का अजाब	(मुसलमानों के विश्वासानुसार) पातकी को कब्र में मिलनेवाला क्लेश।
कब्र का मुंह फांक आना	मरते मरते बचना।मौत के मुंह से निकल आना।
कब्र का मुंह फांकना	मरते मरते बचना।
(अपनी)कब्र खोदना	अपने सर्वनाश का उपाय करना।

कब्र में लाना	मरने के निकट होना। मर जाना।
कब्र में पैर लटकाये होना	मरने को होना। मरने के करीब होना। बहुत बूढ़ा होना।
कब्र में साथ ले जाना	मरते दम तक याद रखना। मय कभी न भूलना।
कब्र से उठकर आना	मरते-मरते बचना। नव-जीवन पाना।
कभी कभार	कभी कभी।
कभी कभी	कुछ काल के अन्तर पर। बहुत कम।
कभी का	बहुत देर से।
कभी कुछ कभी कुछ	एक ढंग पर नहीं। (इस वाक्य का व्याकरण सम्बन्ध दूसरे वाक्य के साथ नहीं रहता, जैसे- उनका कुछ ठीक नहीं, कभी कुछ कभी कुछ)।
कभी न कभी	किसी न किसी समय। आगे चलकर। अवश्य-किसी अवसर पर।
कम से कम	अधिक नहीं तो इतना अवश्य। (इस मुहाविरे के साथ 'तो' प्रायः आता है)।
कमबख्ती आना	बुरा समय आना। अभाग्योदय होना।
कमबख्ती सवार होना	बुरा समय आना। अभाग्योदय होना।
कमबख्ती सूझना	शैतानी या नटखटी सूझना।
कमर करना	घोड़े का सवारी में कमर उछालना। कबूतर का कलाबाजी करना।
कमर कसना	~~किसी काम को करने के लिए~~ तैयार होना। उद्यत होना। उतारू होना। तत्पर होना। कटिबद्ध होना। चलने की तैयारी करना। गमनोद्यत होना। किसी काम को करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करना। संकल्प करना। इरादा करना।

कमर की टंगड़ी — कुश्ती का एक पैंच।

कमर खोलना — कमरबंद उतारना।पटका खोलना।पेटी खोलना। विश्राम करना।दम लेना।सुस्ताना।ठहरना। किसी काम को करने का विचार छोड़ देना। संकल्प छोड़ना।किसी उद्यम से मन हटाना। हिम्मत हारना।हतोत्साह होना।

कमरटूटना — हिम्मत पस्त होना।दिल बैठ जाना।कुछ करने का दम न रह जाना। हताश करना।निराश करना।

कमर तोड़ना

कमर बांधना — कमर में पटका या दुपट्टा बांधना।कमरबंद बांधना।पेटी लगाना।सफर के लिए तैयार होना।कमर कसना।

कमर बैठ जाना — आशा टूटना।निराश होना।उत्साह का न रहना।

कमर सीधी करना — बैठना।विश्राम करना।थकावट मिटाना।

काल उलट जाना — बच्चेदानी या गर्भाशय के मुंह का अपवर्तित हो जाना जिससे स्त्रियां बंध्या हो जाती

कमल खिलना — चित्त आनन्दित होना।

कमाई हुई हड्डी — व्यायाम से बलिष्ठ देह।

कमान उतारना — कमान का चिल्ला या रोदा उतार देना।

कमान खींचना — कमान पर तीर चढ़ाकर उसके रोदे को अपनी ओर खींचना।

कमान चढ़ना — दौरदौरा होना।त्यौरी चढ़ना।क्रोध में होना।बोलबाला होना।

कमान चढ़ाना — कमान का चिल्ला चढ़ाना।

कमान तानना — कमान पर तीर चढ़ाकर उसके रोदे को अपनी ओर खींचना।

कमान पर जाना — नौकरी पर जाना।लड़ाई पर जाना।

कमान पर होना — काम पर होना।लड़ाई पर होना।

कमान बोलना — नौकरी पर जाने की आज्ञा देना।लड़ाई पर पर जाने की आज्ञा देना।

कमान बोली जाना — लड़ाई पर जाने की आज्ञा मिलना।

कमाना धमाना — उद्यम,व्यापार करना।काम काज करके रूपया पैदा करना।

कमाया सांप — वह सांप जिसके दांत उखाड़ लिए गये हों।

कमाल करना — अद्भुत कुशलता,योग्यता का परिचय देना।

कमाल को पहुंचाना — पूरा उतारना।

कमीला करना — मारना।हनना।

कयामत का — गजब का।हद दरजे का।अत्यधिक।अत्यधिक प्रभाव डालनेवाला।

कयामत बरपा होना — अति आपत्ति या उपद्रव करना।गजब ढाना। क्रोध करना।

कयास में आना — समझ में आना।मन में बैठना।

कयास दौड़ाना — अनुमान बांधना।अटकल पच्चू विचार करना। ध्यान दौड़ाना।

कयास लगाना — अनुमान बांधना।अटकल पच्चू विचार करना। ध्यान दौड़ाना।

कर गहना — हाथ पकड़ना।पाणिग्रहण करना।

करघन टूटना — सामर्थ्य न रहना।साहस छूटना।हिम्मत न रहना।धन का बल न रहना।दरिद्र होना।

करघन में बूता होना — कमर में ताकत होना।शरीर में बल होना। पौरूष होना।

करम टेढ़ा होना — भाग्य मंद होना।भाग्य बुरा होना।किस्मत खोटी होना।

करम तिरछा होना — भाग्य मंद होना।भाग्य बुरा होना।किस्मत खोटी होना।उ०- पा लागौं छाड़ौ अब अंचल बार बार अंचल करौं तेरी।तिरछौ करम भयौ पूरब को प्रीतम भयौ पांय की बेरी। सूर ।

करम फूटना — भाग्य मंद होना।भाग्य बुरा होना।किस्मत खोटी होना।

करम होना — कष्ट या दुःख मिलना।अपमान होना।

करवट खाना — उलट जाना।फिर जाना।जहाज का किनारे लग जाना।जहाज का टेढ़ा होना या झुक जाना (लश्कर)।

करवट न लेना — कर्त्तव्य पर ध्यान न रखना।दम न लेना।सांस न लेना।सन्नाटा खींचना।चुप्पी साधना।

करवट बदलना — दूसरी ओर घूमकर लेटना।पलटा खाना।और का और कर बैठना।एक ओर से दूसरी ओर हो जाना।एक पक्ष छोड़कर दूसरे पक्ष में हो जाना।सो न सकना।

करवट लेना — दूसरी ओर फिर कर लेटना।मुंह फेरना। पीठ फेरना।और का और हो जाना।पलट जाना।बेरुख होना।फिर जाना।विमुख होना करवट के नीचे सर काटना।उ०-(क) गारी मति दीजो मो गरीबिनी को जायो है।--- काशी करवट लीनों द्रव्य हू लुटायो है।(ख) तिल भर मछली खाइ जो कोटि गऊ दे दान काशी करवट लै मरै तौ हू नरक निदान।

करवट होना — उलट जाना।फिर जाना।जहाज का किना लग जाना।जहाज का टेढ़ा होना।या झु जाना (लश्कर)।

करवटें बदलना — बार बार पहलू बदलना।बिस्तर पर बेचैन रहना।तड़पना।विकल होना।

करवटों में काटना — सोने का समय व्याकुलता में बिताना।

करार पाना	तै होना।ठहरना।चैन,आराम पाना।
करारा दम	जो थका मांदा न हो।जो शिथिल न हो।तेज।
करीम लेना	भालू के नाखून काटना।
करोड़ की एक	बहुत सी बातों का तत्व।यथार्थ तत्व।बड़े अनुभव की बात।
कर्ज उठाना	ऋण लेना।ऋण का बोझ ऊपर लेना।
कर्ज उतारना	कर्ज चुकाना।उधार बेबाक करना।
कर्ज खाए बैठना	किसी अपने अनुकूल होने वाली बात के लिए अत्यन्त उत्सुक रहना।किसी भारी आसरे पर दिन काटते रहना।किसी की मृत्यु के आसरे में रहना।किसी का नाश चाहना।
कर्ज खाना	ऋणी होना।ऋण भार से दबा होना।
कर्ण का पहरा	प्रभात काल। (दान;पुण्य का समय)।
करुना करना	रोना।विलखना।दु:ख करना और रोना।उ०- जन अबला इव करुना करहू। रामा०।
कलंक का टीका	दोष का धब्बा।लांछन।
कलंक चढ़ाना	कलंक या दोष लगाना।
कल ऐंठना	किसी के चित्त को किसी ओर फेरना।
कल कल करना	बात के लिए सदा दूसरे दिन का वादा करना।टाल मटोल करना।हीला हवाला करना
कल का	थोड़े दिनों का।हाल का।
कल का पुतला	दूसरे के कहने पर चलनेवाला।दूसरे के अधीन काम करनेवाला।
कल की बात	थोड़े दिनों की बात।ऐसी घटना जिसे हुए बहुत दिन न हुए हों।हाल का मामला।
कल की रात	वह रात जो आज से पहले बीत गयी।

कल घुमाना — किसी के चित्त को किसी ओर फेरना।

कल बेकल होना — पुरजा ढीला होना।जोड़ आदि का सरकना। अव्यवस्थित होना।क्रम बिगड़ना।

कल से — चैन से।उ०- सुवै तहां दिन दस कल काटी।आयउ व्याध ढुका लै टाटी। जायसी ।आराम से।धीरे धीरे।आहिस्ता आहिस्ता।

कलई करना — असली बात छिपाना और उसे दूसरे चमत्कृत या झूठे रूप में रखना।

कलई खुलना — असलियत जाहिर होना।असली भेद खुलना। वास्तविक रूप का प्रकट होना।उ०- आई उघरि प्रीति कलई सी जैसी खाटी आमी। सूर ।पोल खुलना।

कलई चढ़ाना — असली बात छिपाना और उसे दूसरे चमत्कृत या झूठे रूप में रखना।

कलई न लगना — झूठी युक्ति न चलना।

कलम करना — काटना-छांटना।जैसे- कलम रूकै तो कर कलम कराइये।

कलम खींचना — लिखे हुए को काटना।रद्द करना।

कलम घसीटना — लिखना।

कलम चलना — लिखाई होना।कलम का कागज पर अच्छी तरह खिसकना।

कलम चलाना — लिखना।

कलम तोड़ना — लिखने की हद कर देना।अनूठी उक्ति कहना। कौशल की पराकाष्ठा कर देना।

कलम दान देना — किसी को लिखने पढ़ने की कोई नौकरी देना।

कलम फेरना — लिखे हुए को काटना।रद्द करना।

कलम बंद — पूरा पूरा।ठीक ठीक।

कलम बंद करना	लेखबद्ध करना।
कलम मारना	लिखे हुए को काटना। रद्द करना।
कलमा टूटना	हठ छूटना। दुराग्रही जन का किसी बात को मान लेना।
कलमा पढ़ना	ईस्लाम धर्म स्वीकार करना।
(किसी का) कलमा पढ़ना	(किसी का) भक्त, अनुगत, प्रेमी, प्रशंसक होना। (किसी के) रूप, गुण पर मुग्ध होना।
कलमा पढ़ाना	मुसलमान बनाना। इसलाम की दीक्षा देना।
कलमे का शरीफ	सहधर्मी। धर्मबन्धु (मुसलमान)।
कला बजाना	बन्दरों का मजीरा बजाना (मदारी)।
कलाबाजी खाना	लौटनियां लेना। उड़ते उड़ते सिर नीचे करके पलटा खाना (गिरहबाज कबूतर का)।
कलाम होना	सन्देह होना। शंका होना।
कलेजा उछलना	दिल धड़कना। घबड़ाहट होना। हृदय प्रफुल्लित होना। हर्ष, उद्वेग, आशंका आदि से दिल का धड़कना।
कलेजा उड़ना	होश जाता रहना। घबड़ाहट होना।
कलेजा उलटना	कै करते करते आंतों में बल पड़ना। वमन करते करते जी घबड़ाना। होश का जाता रहना।
कलेजा कटना	हीरे की कनी या और किसी विष के खाने से अंतड़ियों में छेद होना। मल के साथ रक्त गिरना। खूनी दस्त आना। दिल पर चोट पहुंचना। अत्यन्त हार्दिक कष्ट पहुंचना। बुरा लगना। दिल जलना। डाह होना।
कलेजा कबाब होना	दिल जलना। अति दुःख, सन्ताप अनुभव करना।
कलेजा कांपना	जी दहलना। डर लगना। डर से कांप जाना।
कलेजा काढ़ के देना	अपनी अत्यन्त प्यारी वस्तु देना। सूम का किसी को अपनी कोई वस्तु देना (जिससे उसे बहुत प्रेम हो)।

कलेजा काढ़ लेना	हृदय में वेदना पहुंचाना।अत्यन्त कष्ट देना। मोहित करना।रिझाना।मोटी की चीज निकाल लेना।सबसे अच्छी वस्तु को छांट लेना।सार वस्तु ले लेना।किसी का सर्वस्व हरण कर लेना।किसी की प्रिय वस्तु को ले लेना।
कलेजा काढ़ना	दिल निकालना।वेदना पहुंचाना।किसी की अत्यन्त प्रिय वस्तु को ले लेना।किसी का सर्वस्व हरण करना।
कलेजा खाना	बहुत तंग करना।बार बार तकाजा करना।सताना। पीड़ा देना।किसी चीज को बार बार मांगकर कष्ट पहुंचाना।
कलेजा खिलाना	अत्यन्त प्रिय वस्तु देना।आदर सत्कार में कोई बात उठा न रखना।
कलेजा खुरचना	बहुत भूख लगना।प्रिय वस्तु को पृथक होने पर व्याकुल होना।
कलेजा गोदना	कटु वाक्यों की वर्षा करना।लगती बात कहना। ताने मेहने मारना।
कलेजा चीरकर रखना	हृदय के छिपे भावों को व्यक्त करना।
कलेजा छलनी होना	दुःख या झंझट सहते सहते हृदय जर्जर हो जाना निरन्तर कष्ट से जी ऊब जाना।जी दुखानेवाली बात सुनते सुनते घबड़ा जाना।
कलेजा छिदना	कड़ी बातों से जी दुखना।ताने मेहने से हृदय व्यथित होना।
कलेजा छेदना	कटु वाक्यों की वर्षा करना।लगती या चुभती बात कहना।ताने मारना।
कलेजा जलना	मन को अत्यन्त दुःख पहुंचना।कष्ट पहुंचना।बुरा लगना।अरुचिकर होना।छाती जलना।
कलेजा जलाना	दुःख देना।दुःख पहुंचाना।सताना।
कलेजा जली	दुखिया।जिसके हृदय पर बहुत चोट पहुंची हो।
कलेजा टूक टूक होना	शोक से हृदय विदीर्ण होना।हृदय पर कड़ी चोट पहुंचना।

कलेजा टूटना	जी टूटना।उत्साह भंग होना।हौसला न रहना।
कलेजा ठंढा करना	सन्तोष देना।तुष्ट करना।चित्त की अभिलाषा पूरी करना।
कलेजा ठंढा होना	मन को शांति मिलना।तृप्ति होना।सन्तोष होना।अभिलाषा पूरी होना।शांति मिलना।चैन पड़ना।
कलेजा तर होना	कलेजे में ठंढक पहुंचना।निर्द्वन्द रहना।
कलेजा थामकर बैठ जाना	शोक के वेग को दबाकर रह जाना।मन मसोस कर रह जाना।सन्तोष करना।
कलेजा थामकर रह जाना	शोक के वेग को दबाकर रह जाना।मन मसोस कर रह जाना।सन्तोष करना।असह्य कष्ट-वेदना को बिना आह किये,दिल पकड़कर सह लेना।
कलेजा थाम थाम कर रोना	मसोस मसोस कर रोना।शोक के वेग को दबाते दबाते रोना।रह रहकर रोना।
कलेजा थाम लेना	दुःख सहने के लिए जी कड़ा करना।शोक के वेग को दबाना।
कलेजा दहलना	डर से हृदय कांपना।डर के मारे छाती धक-धक करना।भय से जी कांपना।
कलेजा धक्-धक करना	भय की व्याकुलता होना।आशंका से चित्त विचलित होना।भय,आशंका से असह्य कष्ट सहन के लिए बल संचय करना।
कलेजा धक से हो जाना	भय से सहसा स्तब्ध होना।एक बारगी डर छा जाना।चकित होना।विस्मित होना।भौचक्का रहना।
कलेजा धड़कना	डर से जी कांपना।भय या आशंका से हृदय जोर जोर और जल्दी जल्दी उछलना।भय से व्याकुलता होना।चित्त में चिन्ता होना।जी खटका होना।
कलेजा क धड़काना	डरा देना।भयभीत कर देना।खटके में डाल देना।

कलेजा धुकड़ धुकड़ करना	डर से जी काँपना। भय से व्याकुलता होना। चित्त में चिन्ता होना। जी में खटका होना।
कलेजा निकलना	अत्यन्त कष्ट होना। असह्य क्लेश होना। खलना। सार सार वस्तु का निकल जाना। हीर निकल जाना।
कलेजा निकाल कर धर देना	अत्यन्त प्रिय वस्तु समर्पित करना। सर्वस्व दे देना। सारी शक्ति लगा देना।
कलेजा निकाल कर रख देना	अत्यन्त प्रिय वस्तु समर्पित करना। सर्वस्व दे देना सारी शक्ति लगा देना।
कलेजा निकालना	दिल निकालना। वेदना पहुंचाना। किसी की अत्यन्त प्रिय वस्तु को ले लेना। किसी का सर्वस्व हरण करना।
कलेजा पक जाना	किसी कष्ट से ऊब जाना। दुःख सहते सहते तंग आ जाना।
कलेजा पकड़ लेना	कष्ट सहने के लिए जी कड़ा करना। कलेजे पर भारी मालूम होना।
कलेजा पकड़ना	दुःख सहने के लिए जी कड़ा करना। शोक के वेग को दबाना।
कलेजा पकना	जी जलना। सन्ताप होना।
कलेजा पकाना	इतना दुःख देना कि जी ऊब जाय। नाक में दम करना। हैरान करना। जी जलाना।
कलेजा पत्थर का करना	भारी दुःख झेलने के लिए चित्त को दबाना। किसी निष्ठुर कार्य के लिए चित्त को कठोर समझना। निष्ठुर, निर्मम बन जाना।
कलेजा पत्थर होना	जी कड़ा होना। चित्त कठोर होना।
कलेजा पसीजना	दयार्द्र होना। किसी के दुःख से प्रभावित होना
कलेजा फट जाना	किसी के दुःख को देखकर मन में अत्यन्त कष्ट होना।
कलेजा बढ़ जाना	दिल बढ़ना। उत्साह और आनन्द होना। हौसला होना।

कलेजा बल्लियों उछलना	हर्ष, भय आशंका आदि से हृदय का जोर से स्पंदित होना। दिल का बड़े जोर से धड़कना।
कलेजा बांसों उछलना	आनन्द से चित्त प्रफुल्लित होना। आनन्द की उमंग में फूलना। भय या आशंका से जी धक धक करना।
कलेजा बिंधना	कड़ी बातों से जी दुखना। ताने मेहने से हृदय व्यथित होना।
कलेजा बींधना	कटु वाक्यों की वर्षा करना। लगती बात कहना। ताने मारना।
कलेजा बैठ जाना	भय या शिथिलता से चित्त का संज्ञाशून्य और व्याकुल होना। क्षीणता के कारण शरीर और मन की शक्ति का मंद पड़ना।
कलेजा मलना	दिल को दुखाना। कष्ट पहुंचाना।
कलेजा मसोस कर रह जाना	कलेजा थामकर रह जाना। दुःख के वेग को रोक कर रह जाना।
कलेजा मुंह को आना	जी घबड़ाना। उकताना। व्याकुलता होना। संताप होना। किसी कष्ट, व्यथा से व्याकुल, बेचैन होना। अति क्लेश होना।
कलेजा सुलगना	दिल जलना। अत्यन्त दुःख पहुंचना। सन्ताप होना।
कलेजा सुलगाना	बहुत सताना। अत्यन्त कष्ट देना। दिल जलाना
कलेजा हिलना	कलेजा कांपना। अत्यन्त भय होना।
कलेजा हुकर पुकर करना	भय या आशंका से हृदय में कंपकपी या अशांति होना। डर या घबराहट से दिल घबड़ाना। अधीर होना। भय या घबराहट होना।
कलेजे का टुकड़ा	सन्तान। बेटा।
कलेजे की कौर	सन्तान। बेटी। अत्यन्त प्रिय व्यक्ति।
कलेजे खाई	डाइन। बच्चों पर टोना करनेवाली।

कलेजे पर चोट लगना	सदमा पहुंचना। अत्यन्त क्लेश होना।
कलेजे पर छुरी चल जाना	दिल पर चोट पहुंचना। अत्यन्त क्लेश पहुंचना।
कलेजे पर छुरी फिरना	हृदय पर गहरा आघात पहुंचना।
कलेजे पर मक्खन मला जाना	छाती ठंडी होना। बहुत सन्तोष या तृप्ति होना। शत्रु की क्षति से तृप्ति होना।
कलेजे पर सांप लोटना	चित्त में किसी बात के स्मरण आ जाने से एक बारगी शोक छा जाना। अत्यन्त दुःख होना। अत्यधिक व्याकुलता या पीड़ा होना। ईर्ष्या आदि के कारण अत्यन्त दुःख होना।
कलेजे में हाथ धर कर देखना	अपनी आत्मा से पूछ कर देखना। अपने चित्त का जो यथार्थ विश्वास हो उस पर ध्यान देना।
कलेजे पर हाथ फेरना	अपनी बात की यथार्थता के विषय में अपने दिल, अंतरात्मा से पूछना।
कलेजे पर हाथ रखना	अपने दिल से पूछना। अपनी आत्मा से पूछना। चित्त में जैसा विश्वास हो ठीक वैसा ही कहना।
कलेजे में आग लगना	अत्यन्त दुःख या शोक होना। डाह होना। द्वेष होना। बहुत प्यास लगना।
कलेजे में घुसना	भेद लेने या मतलब निकालने के लिए हेल-मेल बढ़ाना।
कलेजे में डालना	प्यार से पास रखना। हृदय से लगाकर रखना।
कलेजे में तीर लगना	दिल में गहरी चोट लगना।
कलेजे में पैठना	भेद लेने या मतलब निकालने के लिए हेल-मेल बढ़ाना।
कलेजे में लगना	कलेजे में खटकना। कलेजे पर भारी मालूम होना। कलेजे या पेट में विकार उत्पन्न करना।
कलेजे से लगाकर रखना	किसी प्रिय वस्तु को अपने अत्यन्त निकट पास से जुदा न होने देना। बहुत प्रिय करके बहुत यत्न से रखना।

कलेजे से लगाना	छाती से लगाना।आलिंगन करना।प्यार करना।
कलेवर चढ़ाना	महावीर,भैरव,गणेश आदि देवताओं की मूर्ति पर घी व तेल में मिले हुए सेंदुर का लेप करना।
कलेवर बदलना	एक शरीर त्यागकर दूसरा शरीर धारण करना। चोला बदलना।एक रूप से दूसरे रूप में जाना।काया कल्प होना।रोग के पीछे शरीर पर नई रंगत चढ़ना।पुराना कपड़ा उतारकर नया और साफ कपड़ा पहनना।
कलेवा करना	निगल जाना।खा जाना।उ०- जिन भूपन जगजीति बांधि जम अपनी बांह बसायौ।तेऊ काल कलेवा कीन्हो तू गिनती कब आयौ। तुलसी।अधिक अवस्था का होना।
कलैया खाना	एक पक्ष को छोड़कर दूसरे पक्ष में हो जाना।
कल्ला चलना	मुंह चलना।खाना।
कल्ला दबाना	गला दबाना।बोलने से रोकना।मुंह पकड़ना। अपने सामने दूसरे को न बोलने देना।
कल्ला फुलाना	मुंह मुंह फुलाना।रंज से मुंह फुलाना।किसी से बोल चाल बन्द कर देना।रूठना।रिसना।घमंड से मुंह फुलाना।घमंड करना।
कल्ला मारना	गाल बजाना।डींग हांकना।शेखी बघारना।
कल्ले पार	सिर और पैर का मास।
कल्ले तले दबा लेना	चीख-चिल्लाकर दूसरे को दबा लेना।
कस कर	खींचकर।जोर से।बल पूर्वक।उ०- दहैं निगोड़े नैन ये गहैं न चैत अचेत।हौं कसि कसि कै रिस करौं ये निरखे हंसि देत। पूरा पूरा।अत्यधिक।
कस का	वश का।अधीन।जिस पर अपना अधिकार हो।
कस की गोदी	कुश्ती का एक पेंच।

कस में कर रखना — रोक रखना।दबाना।उ०- पर तिय दोष पुराण सुनि हंसि मुलकी सुखदानि।कस करि राखि मित्रहूं मुख आई मुसकानि।बिहारी।

कस में करना — वश में रखना।अधीन रखना।

कस में रखना — वश में रखना।अधीन रखना।रोक या दबाव में रखना।

कसक काढ़ना — पुराने वैर का बदला लेना।

कसक निकालना — हौसला पूरा करना।पुराने वैर का बदला लेना।

कसक मिटाना — हौसला पूरा करना।पुराने वैर का बदला लेना

कसम उतारना — शपथ का प्रभाव दूर करना।खाई या दिलाई हुई शपथ के अनुसार न चलने पर उसके दोष का परिहार करना।किसी काम को नाम-मात्र के लिए करना।

कसम खाकर कहना — सत्य कहना।

(किसी बात की)कसम खाना — किसी बात के करने या न करने की प्रतिज्ञा करना।

कसम खाने को — नाम-मात्र को।

कसम तोड़ना — शपथ खाकर किसी कार्य को पूरा न करना। प्रतिज्ञा भंग करना।

कसम देना — किसी को किसी शपथ द्वारा बाध्य करना। सत्या कहलाना।

कसम रखवाना — सत्य कहलाना।प्रतिज्ञा कराना।

कसम लेना — कसम खिलाना।शपथ उठाने के लिए बाध्य करना।प्रतिज्ञा कराना।

कसर करना — त्रुटि करना।कुछ बाकी छोड़ना।(किसी बात को करने में)कमी रखना।कोताही करना।

कसर खाना — घाटा सहना।हानि उठाना।

कसर छोड़ना	त्रुटि करना।कुछ बाकी छोड़ना।
कसर देना	घाटा पूरा करना।
कसर निकलना	क्षतिपूर्ति होना।बदला मिलना।
कसर निकालना	कमी पूरी करना।बदला लेना।
कसर मरना	घाटा पूरा करना।वैर करना।
कसर रखना	त्रुटि करना।कुछ बाकी छोड़ना।(किसी बात के करने में)कमी रखना।कोताही करना।
कसर रहना	कमी रहना।
कसा	पूरा पूरा अत्यधिक।
कसा कसाया	चलने के लिए बिलकुल तैयार।
कसा तौलना	कम तौलना।तौल में कम देना।
कसाई के खूंटे बंधना	निष्ठुर के पाले पड़ना।बेदर्द से ब्याहा जाना।
कस्तूरी हो जाना	किसी वस्तु का बहुत महंगा हो जाना या कम मिलना।
कहकहा लगाना	जोर से हंसना।
कह-बदकर	प्रतिज्ञा करके।दृढ़ संकल्प करके।ललकार कर।खुले खजाने।दावे के साथ।
कहना बदना	निश्चय करना।ठहराना।
कहना-सुनना	बातचीत करना।समझाना बुझाना।बहस करना।मनाना।विनती करना।
कहने को	नाम को।बरायनाम।भविष्य में स्मरण के लिए।
कहने पर जाना	किसी की बनावटी बातों पर विश्वास करना और उसके अनुसार कार्य करना।
(किसी के)कहने में आना	किसी की बहकानेवाली बात को मान लेना।किसी के चकमे में आना।

(किसी के)कहने में होना — किसी के हाथ,वश में होना।

कहने सुनने को — नाम-मात्र को।भविष्य में स्मरण के लिए।

कह करना — अत्याचार करना।अद्भुत कर्म करना।ऐसा काम करना जिससे लोगों को विस्मय हो।अनोखा काम करना।असम्भव को सम्भव करना।अमानुष कृत्य करना।

कह का — कठिना।असह्य।मात्रा से अधिक।अत्यन्त।भयानक। डरावना।बहुत बड़ा।महाना

कह टूटना — आफत आना।दैवी विपत्ति पड़ना।

कह ढाना — किसी पर आफत लाना।

कहां का — न जाने कहां का? ऐसा जो पहले और कहीं देखने में न आया हो।असाधारण।बड़ा भारी। ह कहीं का नहीं।जी नहीं है।

कहां का कहां — बहुत दूर।

कहां की बात — यह बात ठीक नहीं है।यह बात कभी नहीं हो सकती।

कहां तक (लौं) — किसनी दूर तक।कितने परिमाण तक।कितनी संख्या तक।किसनी मात्रा तक।कितनी देर तक। कितने कायल पर्यन्त।

कहां यह कहां वह — इनमें बड़ा अन्तर है। उ०- कहं कुंभज कहं सिंधु अपारा। रामा० ।

कहां से — क्यों।व्यर्थ।नाहक।कभी नहीं।कदापि नहीं।नहीं।

कहां से कहां — अनिश्चित स्थान से,अनिश्चित स्थान में।उ०- उठि आये कहां तें कहां धौं कहौ। रत्नाकर।

कहानी जोड़ना — कहानी बनाना।आख्यायिका रचना।

कहीं और — दूसरी जगह।अन्यत्र।

कहीं कहीं — किसी किसी स्थान पर।कुछ जगहों में।बहुत कम स्थानों में।

कहीं का

कहीं का न रहना

न जाने कहां का। ऐसा जो पहले सुनने में न आया हो। बड़ा भारी।

दो पक्षों में से किसी पक्ष के योग्य न रहना। दो भिन्न मनोरथों में से एक का भी पूरा न होना। किसी काम का न रहना। किसी काम का अथवा कहीं मान्य न रहना।

कहीं का हो रहना

कहीं से न लौटना। कहीं जाकर वहीं रह जाना। अधिक विलम्ब लगा देना।

कहीं न कहीं

किसी स्थान पर अवश्य।

कहीं पर नाल गाड़ना

कोई स्थान जन्म स्थान के समान प्रिय होना। किसी स्थान से बहुत प्रेम होना। किसी स्थान पर सदा बना रहना, जल्दी न हटना। किसी स्थान पर अधिकार होना। दावा होना।

कहीं से या का कहीं

एक ओर से दूसरी ओर। दूर। उ०- कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा। मानमती ने कुनबा जोड़ा।

कहीं सींग समाना

कहीं ठिकाना मिलना। शरण मिलना। कहीं गुजारा या निर्वाह होना।

कहीं----------न

(आशंका और आशा सूचित करने के लिए) ऐसा न हो कि। (इस मुहावरे में या तो भाव-रूप में क्रियायें आती हैं अथवा संदिग्ध भूत, सम्भाव्य भविष्यत आदि सम्भावना सूचक क्रियायें आती हैं)।

कहीं-------तो नहीं

(प्रश्न के रूप में आशंका और आशा सूचित करने के लिए)।

कांकरी चुनना

वियोग के कारण किसी काम में मन न लगना उ०- ता थल कांकरी बैठी चुन्यौ करै। रस० ।

कांच खोलना

प्रसंग करना। उ०- कामी से कुत्ता भला रितु सर खोले कांच। राम नाम जाना नहीं भावी जाय न बांच। कबीर। हिम्मत छोड़ना। साहस छोड़ना। विरोध करने में असमर्थ होना।

कांच निकलना — किसी श्रम या चोट के सहने में असमर्थ होना। किसी आघात या परिश्रम से बुरी दशा होना। एक रोग।

कांच निकालना — अत्यन्त चोट या कष्ट पहुंचाना। बे दम करना। अत्यधिक परिश्रम लेना।

कांचा मन — कच्चा मन। जो शुद्धता और मक्ति में दृढ़ न हो। उ०- जप माला, छापा, तिलक सरै न एकौ काम मन कांचे नाचे वृथा कि सांचे रांचे राम।
। बिहारी ।

कांची बुद्धि — अपरिपक्व बुद्धि। खोटी समझ। उ०- ठकुराइत गिरिधर जू की सांची।-----हरि चरणारबिंद तजि लागत अनत कहूं तिन की मति कांची। सूरदास भगवंत भजन जे तिनकी लीक चहूं युग सांची। सूर ।

कांची मति — अपरिपक्व बुद्धि। खोटी समझ। उ०- ठकुराइत गिरिधर जू की सांची।---हरि चरणारबिंद तजि लागत अनत कहूं तिन की मति कांची। सूरदास भगवंत भजन जे तिनकी लीक चहूं युग सांची। सूरदास।

कांटा डालना — मछली फंसाने के लिए कांटे को पानी में डालना।

कांटा निकलना — बाधा या कष्ट दूर होना। चैन होना। आराम होना। खटका मिटना। मन का क्लेश मिटना।

कांटा निकालना — बाधा या कष्ट दूर करना। खटका मिटाना।

कांटा पड़ना — गले या जीभ का प्यास से सूखना।

(राह में) कांटा बिछाना — अड़चन डालना। विघ्न करना। बाधा डालना। रोड़े अटकाना।

कांटा बोना — बुराई करना। अनिष्ट करना। उ०- जो तोकों कांटा बोवै ताहि बोउ तू फूल। कबीर।
अड़चन डालना। २ विघ्न डालना। उपद्रव मचाना। भावी अनिष्ट का कारण बनना।

कांटा लगना	पक्षी को कांटे का रोग होना।
कांटा सा	कंटक के समान दु:खदायी।खटकनेवाला।
कांटा सा खटकना	अच्छा न लगना।दु:खदायी होना।बुरा लगना।असह्य होना।उ०- निसि दिन कांट लौं करैं कसक्त है। ऊ० श० ।
कांटा होना	दुबला होना।सूखकर ठठरी ही ठठरी रह जाना सूखकर कड़ा हो जाना।
कांटी खाना	कैद काटना।जेल काटना।कैद होना। (जुआरी की बोली)।
कांटी लड़ाना	लड़कों का एक खेल।लंगर लड़ाना।
कांटे की तौल	बिलकुल ठीक,न कम न अधिक।
कांटे पर की ओस	क्षणभंगुर वस्तु।थोड़े दिन रहनेवाली चीज।
कांटे में तुलना	महंगा होना।गरं गिरा होना।
कांटे से कांटा निकालना	बुराई का बदला बुराई से लेना।
कांटों पर लोटना	बेचैन होना।डाह से जलना।कष्ट से तड़पना।
कांटों में घसीटना	किसी की इतनी अधिक प्रशंसा या आदर करना जिसके योग्य वह अपने को न समझे। (अनुचित प्रशंसा द्वारा)लज्जित करना।
कांड़ी कफन	मुरदे की रथी का सामान।
कांधु देना	सहारा देना।उठाने में सहायता करना।किसी भारी चीज को कंधे पर उठाकर ले जाने में सहायता देना।अंगीकार करना।ऊपर लेना।मानना।उ०- यह सौ कृष्ण बलराज जस कीन्ह छर बांध।हम विचार अस आवहि मौरहिं दीज न कांध। जायसी ।
कांधु मारना	न टिकना।धोखा देना।काम न आना।उ०- राजा जो नाहिं मार बल बांधा।बुध कहिये हस्ती का बांधा। जायसी ।

कांध लेना	उठाना।ऊपर लेना।सम्भालना।उ०- कांध समुद्र धस लीन्हेसि भा पाछे सब कोइ।कोइ काहू न संभारे आपन आपन होइ। जायसी ।
कांधी देना	इधर उधर करके बात टालना।टाल मटोल करना। कंधा देना।
कांवी मारना	घोड़े का अपनी गर्दन को किसी ओर को झटके के साथ फेरना जिससे सवार का आसन हिल जाय।
कांस में तैरना	असमंजस में पड़ना।दुबधे में पड़ना।
कांस में फंसाना	संकट में पड़ना।
काई छुड़ाना	मैल दूर करना।दु:ख दारिद्र्य दूर करना।
काई लगना	मैला हो जाना।उ०- सरीर लस्यो तजि नीर ज्यों काई। कवि० ।
काई सा फटना	तितर बितर हो जाना।छंट जाना।बिखर जाना
काकुल छोड़ना	बालों की लट गिराना या बिखराना।
कागज काला करना	व्यर्थ कुछ लिखना।
कागज की नाव	क्षण भंगुर वस्तु।न टिकनेवाली चीज।
कागज पर चढ़ाना	कहीं लिख लेना।टांकना।टीपना।
कागज रंगना	कागज पर कुछ लिखना।व्यर्थ कुछ लिखना।
कागज के घोड़े दौड़ाना	खूब लिखा पढ़ी करना।खूब चिट्ठी पत्री करना। परस्पर खूब पत्र-व्यवहार करना।उ०- सत्य कहौं लिखि कागद कोरे। रामा० ।केवल कागजी कार्यवाही करना।
कागजी फूल	सारहीन कृत्रिम।दिखावटी पदार्थ।
कागद होना	वृद्ध होकर भी मृत्यु न होना।
काछ काछना	भेस बनाना।
काछ का खोलना	नंगा करना।संभोग करना।

काछ लगना	चलने में रानों का रगड़ खाना। चमड़े का रगड़ कर छिल जाना।
काजल घुलाना	(आंखों में) काजल लगाना।
काजल पारना	दीपक के धुंए की कालिख को किसी बर्तन में जमाना। दीपक के धुंए से काजल बनाना या जमाना।
काजी जी की दाढ़ी तबर्रुक में गयी	किसी अच्छी चीज का यों ही समाप्त हो जाना।
काजी जी दुबले क्यों शहर के अंदेशे से	ऐसी बातों की चिंता में घुलना, जिनका अपने से सम्बन्ध न हो।
काट खाना	दांतों से घायल करना। डंसना। डंक मारना।
काटने दौड़ना	चिड़चिड़ाना। खिझना। बहुत बुरा लगना। सूना और उजाड़ लगना। बहुत गुस्से में बोलना।
काटे खाना	बुरा मालूम होना। चित्त को व्यथित करना। जी को उचाट करना। सूना और उजाड़ लगना।
काटो तो खून नहीं	अचानक उत्पन्न हुए भयादि के कारण स्तब्ध होना।
काठ कटौवल बांसुरी	आंख मिचौनी की तरह का एक खेल जिसमें लड़के किसी काठ को छू छूकर आते हैं।
काठ का घोड़ा	बैसाखी।
काठ कोड़ा चलना	काठ में पैर देने और कोड़ा मारने का अधिकार होना। दण्ड देने का अधिकार होना। बड़ी चलती होना।
काठ की पुतली होना	अशक्त होना।
काठ चबाना	दु:ख से निर्वाह करना।
(किसी को) काठ मार जाना	अत्यधिक चकित, स्तब्ध या सुन्न हो जाना।
काठ मारना	काठ की बेड़ी पहनाना। चलने-फिरने पर रोक लगाना।

काठ में पांव देना — काठ की बेड़ी पहनाना। कलंदरा में पांव डालना। स्वयं बन्धन में पड़ना। उ०- फूले फूले फिरत है, होत हमारो ब्याव। तुलसी गाय बजाय के देत काठ में पांव। तुलसी ।

काठ हो जाना — डर या घबराकर सन्न हो जाना। स्तब्ध होना।

काठ होना — संज्ञाहीन होना। चेतनारहित होना। जड़वत् होना। स्तब्ध होना।

कान उठाना — सुनने के लिए तैयार होना। (पशु का) आहट लेना। चौकन्ना होना। सचेत या सजग होना।

कान उड़ना — लगातार देर तक गम्भीर या कड़ा शब्द सुनते सुनते कान कान की पीड़ा व चित्त की घबड़ाहट होना। कान का कट जाना।

कान उड़ा देना — हल्ला गुल्ला करके कान की पीड़ा पहुंचाना और व्याकुल करना। कान काट लेना।

कान उमेठना — दण्ड देने के हेतु किसी का कान मरोड़ देना। दण्ड आदि द्वारा गहरी चेतावनी देना। कोई काम न करने की शपथ करना। किसी काम के न करने की कड़ी प्रतिज्ञा करना।

कान ऊंचे करना — सुनने के लिए तैयार होना। आहट लेना। सचेत या सजग होना। होशियार होना।

कान ऐंठना — दण्ड देने के हेतु किसी का कान मरोड़ देना। दण्ड आदि द्वारा गहरी चेतावनी देना। कोई काम न करने की शपथ करना।

कान करना — सुनना। ध्यान देना। उ०- बालक वचन करिय नहिं काना। तुलसी ।

कान कतरना — मात करना। बढ़कर होना। नीचा दिखाना।

कान का कच्चा — जो कुछ सुने, उस पर बिना विचार किये विश्वास कर लेनेवाला।

कान काटना — मात करना। बढ़कर होना। नीचा दिखाना।

कान खड़े करना	(आप)चौकन्ना होना।सचेत होना।सचेत करना। होशियार करना।
कान खड़े रखना	होशियार रहना।
कान खड़े होना	सचेत होना।चौकन्ना होना।
कान खरा करना	कान गरम करना।कान मलना।
कान खा जाना	बहुत शोर गुल करना।बहुत बातें करना।
कान खाना	बहुत शोर गुल करना।बहुत बातें करना।
कान खुलना	सजग होना।सचेत होना।शिक्षा ग्रहण करना।
कान खोल देना	होशियार कर देना।चेताना।सजग कर देना।भूल बता देना।
कान खोलना	होशियार कर देना।चेताना।सजग कर देना।भूल बता देना।सावधान कर देना।
कान गरम कर देना	कान उमेठना।
कान भन्नाना	अधिक शब्द सुनने से कान का सुन्न हो जाना।
कान दबाना	विरोध न करना।दबना।सहमना।
कान देना	ध्यान देना।ध्यान से सुनना।उ०- सुर असुर ऋषि मुनि कान दीन्है। रामा० ।
कान धरना	ध्यान से सुनना। (किसी बात को)फिर न करने की प्रतिज्ञा करना।बाज आना।कान मरोड़ना।दण्ड आदि द्वारा गहरी चेतावनी देना।
कान न दिया जाना	कर्कश या करुण स्वर सुनने की क्षमता न रहना।न सुना जाना।सुनने में कष्ट होना।
कान हिलाना	कुछ उत्तर न देना।उपेक्षा भाव रखना।बिना विरोध किसी बात को मान लेना।चूं न करना।दम न मारना। विरोध,आपत्ति न करना।
कान पकड़कर उठना-बैठना	बच्चों को दी जानेवाली एक सजा।
कान पकड़कर निकाल देना	अनादर के साथ किसी स्थान से बाहर कर देना। बेइज्जती से हटा देना।

कान पकड़ना — कान मलकर दण्ड देना। कान उमेठना। अपनी भूल या झौटाई स्वीकार करना। किसी को अपना गुरू मान लेना। किसी बात को न करने की प्रतिज्ञा करना। पश्चात्ताप के साथ किसी बात को फिर न करने की प्रतिज्ञा करना।

कान कतरी लौंडी — अत्यन्त आज्ञाकारिणी दासी।

कान पड़ना — सुनने में आना। सुनाई पड़ना।

कान पड़ी आवाज सुनाई न देना — शोर-गुल के कारण कान में पड़ी हुई बात का सुनाई न देना।

कान पर जूं न रेंगना — कुछ भी परवाह न होना। कुछ भी ध्यान न देना। कुछ भी चैत न होना। बेखबर होना।

कान पूंछ दबा कर चला जाना — चुपचाप चला जाना। बिना ची चपड़ के खिसक जाना। बिना विरोध किए टल जाना।

कान पूंछ फड़फड़ाना — सजग होना। सावधान होना। चैतन्य होना। तुरन्त के आघात से स्वस्थ या तन्द्रा से चैतन्य होना।

कान फटना — कड़े शब्द को सुनते सुनते कान में पीड़ा होना या जी ऊबना।

कान फटफटाना — कुत्तों का कान हिलाना जिससे फट फट शब्द होता है। (यात्रा आदि में यह अशुभ समझा जाता है)।

कान फुंकवाना — गुरूमंत्र लेना। दीक्षा लेना।

कान फूंकना — दीक्षा देना। चेला बनाना। गुरू मंत्र देना। किसी के विरुद्ध किसी के मन में कोई बात बैठा देना। पहले से किसी के विषय में किसी का ख्याल खराब करना। बहकाना। कान भरना।

कान फोड़ना — शोर-गुल करके कानों को कष्ट पहुंचाना।

कान बंद कर लेना — जान-बूझकर किसी की बात न सुनना, सुनकर भी उस पर ध्यान न देना।

कान बजना	कान में सांय सांय की आवाज होना।
कान बहना	कान से पीव निकलना।
कान बहरे कर लेना	जान-बूझ कर किसी की बात न सुनना, सुनकर भी उस पर ध्यान न देना।
कान बीधना	कान छेदना।
कान बुचियाना	कानों को पीछे की ओर दबाकर काटने या चोट करने की तैयारी करना। (यह मुद्रा बन्दरों और घोड़ों में बहुधा देखने में आती है)।
कान मर जाना	सुनते सुनते जी ऊब जाना।
कान मरना	चुगली करना।बुराई या निंदा करना।किसी के विषय में पहले से किसी का ख्याल खराब करना।
कान मलना	कान उमेठना।दण्ड आदि द्वारा गहरी चेतावनी देना।
कान में कौड़ी डालना	दास या गुलाम बनाना।
कान में ठेंठी लगाना	न सुनना।
(कोई बात)कान में डाल देना	सुना देना।जता देना।
कान में तेल डालकर बैठना	बहरा बन जाना।बात सुनकर भी उस ओर कुछ ध्यान न देना।बेखबर रहना।
कान में तेल डालना	सुना देना। कान बहरे कर लेना।
कान में पड़ना	सुनने में आना।सुनाई पड़ना।
कान में पारा भरना	कान में परा भरने का दण्ड देना। (प्राचीन काल में अपराधियों के कान में सीसा या पारा भरा जाता था)।
कान में लेना	सुनना।उ०- करें घरी दस ता में कोऊ जो खबरि देत लेत नहिं कान और मरवावही। ।प्रियादास।

कान लगना	कान के पीछे घाव होना। कनकटी हो जाना। चुपके चुपके कान भरना। गुप्त रीति से मंत्रणा देना।
कान लगाना	ध्यान देना।
कान होना	चेतना। खबर होना। ख्याल होना। दूसरों की कान भरने वाली बातों को सुनाना।
कानाफूसी करना	चुपके चुपके कान में बात कहना।
कानाबाती करना	चुपके चुपके कान में बात कहना। बच्चों को हंसाने का एक ढंग, जिसमें बच्चे के कान में 'काना बाती काना बाती कू' कह कर 'कू' शब्द को अधिक जोर से कहते हैं जिससे बच्चा हंस देता है।
कानि पढ़ना	लोक या समाज की मर्यादा का ध्यान रखना।
कानून छांटना	कानूनी बहस करना। कुतर्क करना। हुज्जत करना।
कानून बघारना	तर्क-कुतर्क करना।
कानून बूंकना	तर्क-कुतर्क करना।
कानों पर जूं रेंगना	चेत होना। स्थिति का ज्ञान होना। सतर्कता होना। होश होना।
कानों पर हाथ धरना	बिलकुल इनकार करना। किसी बात से अपनी अनभिज्ञता प्रकट करना। किसी बात से अपना लगाव अस्वीकार करना। किसी बात के करने से एकबारगी इनकार करना। अनजान बनना।
कानों में उंगली देना	किसी बात से उदासीन या विरक्त होकर उसकी चर्चा बचाना। किसी विषय को न सुनने का प्रयत्न करना।
काफिया तंग करना	बहुत हैरान करना। नाकों दम करना। परेशान करना।
काफिया तंग रहना	किसी काम से तंग रहना। नाकों दम रहना।

काफ़िया मिलाना	तुक मिलाना।अपना साथी बनाना।किसी काम में शरीक करना।
काफ़ूर होना	बम्पत होना।रफ़ूचक्कर होना।गायब होना उड़ जाना।अदृश्य हो जाना।
काबुल में क्या गधे नहीं होते ?	अच्छों के बीच बुरे,पंडितों के कुल में मूर्ख भी हो सकते हैं।
काबू पर चढ़ना	अधिकार में आना।दांव पर चढ़ना।
काबू में करना	वश में करना।
काम अटकना	काम रुकना।हर्ज होना।
काम आना	मारा जाना।लड़ाई में मारा जाना।काम में आना।व्यवहार में आना।उपयोगी होना।साथ देना।सहारा देना।सहायक होना।आड़े आना।
काम उतारना	किसी दस्तकारी के काम को पूरा करना।कोई कारीगरी की चीज को तैयार करना।
काम करना	प्रभाव डालना या दिलाना।असर करना।प्रयत्न में कृत कार्य होना।संभोग करना।अर्थ साधना। मतलब निकालना।
काम का	जिससे कोई प्रयोजन निकले।जिससे कोई उद्देश्य सिद्ध हो।जो मतलब का हो।व्यवहार योग्य। उपयोगी (वस्तु)।
काम के सिर होना	काम में लगना।
काम खुलना	कारोबार चलना।नया कारखाना खुलना।नया कारोबार प्रारम्भ होना।
काम चढ़ना	तैयारी के लिए किसी चीज का सराद,करघे, कालिब,कल आदि पर रक्खा जाना।
काम चढ़ाना	किसी चीज को तैयार करने के लिए सराद, करघे,कालिब,कल आदि पर रखना या लगाना
काम चलना	काम जारी रहना।क्रिया का सम्पादन होना। प्रयोजन निकलना।अर्थ सिद्ध होना।अभिप्राय

	निकालना।अर्थ सिद्ध करना।कार्य निर्वाह करना।आवश्यकता पूरी करना।
काम चमकना	बहुत अच्छी तरह कारोबार चलना।व्यवसाय में वृद्धि होना।
काम तमाम करना	काम पूरा करना।मार डालना।घात करना।
काम तमाम होना	काम पूरा होना।काम का समाप्त होना।मरना।जान से जाना।
काम देखना	किसी चलते हुए कार्य की देख माल करना।काम की जांच करना।अपने कार्य या मतलब की ओर ध्यान रखना।
काम देना	व्यवहार में आना।उपयोगी होना।
काम निकलना	प्रयोजन सिद्ध होना।उद्देश्य पूरा होना।मतलब गंठना।कार्य निर्वाह होना।आवश्यकता पूरी होना।
काम निकालना	प्रयोजन साधना।मतलब गांठना।कार्य निर्वाह करना।आवश्यकता पूरी करना।
काम पड़ना	आवश्यकता होना।प्रयोजन पड़ना।दरकार होना किसी से पाला पड़ना।किसी प्रकार का व्यवहार या सम्बन्ध होना।उ०भ चंदन पड़ा चमार घ घर,नित उठि कूटै चाम।चंदन बपुरा का कै, पड़ा नीच से काम।
काम पर जाना	कार्यालय जाना।अपने रोजगार की जगह जाना। जहां पर कोई काम हो रहा हो वहां जाना।
काम बंटाना	किसी काम में सम्मिलित होना।किसी काम में सहायता करना।सहायक होना।
काम ब बढ़ाना	काम बंद करना।नित्य के नियमित समय पर कोई काम बंद करना।
काम बनना	अर्थ साधना।प्रयोजन निकलना।मतलब गठना। उद्देश्य सिद्ध होना।बात बनना।

काम बनाना	किसी का अर्थ साधन करना।किसी का मतलब निकालना।
काम बिगड़ना	कारबार बिगड़ना।व्यवसाय नष्ट होना। व्यापार में घाटा आना।बात बिगड़ना। मामला बिगड़ना।
काम भुगतना	काम निपटना।काम पूरा होना।
काम भुगताना	कार्य समाप्त करना।काम पूरा करना।
काम में आना	व्यवहार में आना।बरता जाना।व्यवहृत होना
काम में लगना	काम में लगना।
काम में लाना	बरतना।व्यवहार करना।उपयोग करना।
काम रखता है	बड़ा कठिन कार्य है।मुश्किल बात है।
काम रखना	वास्ता रखना।सरोकार रखना।लगाव रखना। कठिन होना।
काम लगना	काम जारी होना।कार्य का विधान होना। किसी वस्तु के निर्मित करने का अनुष्ठान होना।काम पड़ना।आवश्यकता होना।
काम लगा रहना	व्यापार जारी रहना।
काम लेना	कार्य में नियुक्त करना।कार्य कराना।व्यवहार में लाना।उपयोग करना।बरतना।
काम सँवारना	काम बनाना।किसी का अर्थ साधन करना।
काम सीखना	कार्यक्रम की शिक्षा लेना।व्यवसाय या धंधा सीखना।कला सीखना।
काम से काम रखना	अपने कार्य से प्रयोजन रखना।अपने प्रयोजन की ओर ध्यान रखना।व्यर्थ की बातों में न पड़ना
काम होना	प्रयोजन सिद्ध होना।अर्थ निकलना।आवश्यकता पूरी होना।मरना।प्राण जाना।अत्यन्त कष्ट पहुंचना।

कायजा करना	घोड़े की लगाम की डोरी को पूंछ में फंसाना (घोड़े को चुपचाप खड़ा करने के लिए खरहरा करते समय प्राय: ऐसा करते हैं)।
कायम उठाना	शतरंज की बाजी का इस प्रकार समाप्त होना जिसमें किसी पक्ष की हार जीत न हो।
कायल करना	किसी से कोई बात मनवा लेना।
कायल माकूल करना	कायल करना।
कायल होना	मान लेना। विपक्षी की बात का औचित्य स्वीकार करना। निरुत्तर हो जाना।
काया पलट जाना	रूपान्तर हो जाना। और से और हो जाना।
काया पलट देना	रूपान्तर करना। और से और कर देना।
कारूरा मिटना	अत्यन्त धनिष्ठता होना। अत्यन्त हेल-मेल होना।
काल काटना	समय बिताना।
काल के गाल में जाना	मर जाना। ऐसे संकट में पड़ना जिसमें मरने का भय हो। मृत्यु के मुख में पड़ना।
कालक्षेप करना	समय काटना। दिन बिताना।
काला के आगे चिराग नहीं जलता	जबरदस्त के आगे कुछ और नहीं चलता। (कहते हैं कि काले सांप के फुफकार से दीपक बुझ जाता है)।
काला मुंह होना	कलंकित होना। बदनाम होना।
काला बाल जाना	किसी को अत्यन्त तुच्छ समझना। उ०- चोर कब उसका जोर माने है। काला बाल उसको अपना जाने है। सौदा ।
कालि की	कल का। थोड़े दिनों का। उ०- दूषण विराध खर त्रिशिर कबंध बधे, तालऊ विसाल बेधे कौतुक है कालि की। तुलसी ।
कालिख पुतजाना	बदनामी होना।

कालिख पोतना — बदनामी करना।

काली हांडी सिर पर रखना — सिर पर बदनामी लेना। कलंक का टीका लगाना।

काले कोसों — बहुत दूर। उ०- तातें अब मरियत अपसोसन। मथुराहू ते गए सखी री अब हरि काले कोसन। । सूर ।

काले कौवे खाना — बहुत दिनों तक जीवित रहना। (ऐसा प्रसिद्ध है कि कौवा बहुत दिनों तक जीता है)।

(किसी का) काले तिल चबाना — (किसी का) दबैल होना। अधीन या वशवर्ती होना। गुलाम होना।

कावा काटना — वृत्त में दौड़ना। चक्कर खाना। चक्कर मारना। आंख बचाकर दूसरी ओर फिर निकल जाना।

कावा देना — वृत्त में दौड़ाना। चक्कर देना।

(घोड़े को) कावे पर लगाना — (घोड़े को) कावा या चक्कर देना।

काशी करवट लेना — काशी करवट नामक तीर्थ में गला कटवाकर मर प्राण त्याग करना। कठिन दुःख सहना।

किचकिचो बांधना — क्रोध से दांत पिसना। भरपूर बल लगाने के लिए दांत पर दांत रखकर दबाना।

किताबी चेहरा — वह चेहरा जिसकी आकृति लम्बाई लिए हो।

किधर आया किधर गया — किसी के आने जाने की कुछ भी खबर नहीं।

किधर का चांद निकला ? — यह कैसी अनहोनी बात हुई ? यह कैसी बात हुई जिसकी कोई आशा न थी ?

किधर जाऊं क्या करूं — कौन सा उपाय करूं ? कोई उपाय नहीं सूझता।

किधर से चांद निकला ? — आज कैसे दिखाई पड़े ? क्या अनहोनी बात हुई जो आप दिखाई पड़े ।

किनारा करना — अलग होना। दूर होना। परित्याग करना। छोड़ देना। उ०- जिनके हित परलोक बिगारा। ते सब जिअते किहिन किनारा। विश्राम ।

किनारा कश होना	अलग, एक ओर हो जाना।
किनारा कशी करना	दूर होना। हटना।
किनारा खींचना	किनारे होना। अलग होना। दूर होना। हटना।
किनारे करना	दूर करना। अलग करना। हटाना।
किनारे न जाना	दूर रहना। अलग रहना। बचना।
किनारे न लगना	पास न फटकना। निकट न जाना। दूर रहना।
किनारे बैठना	अलग होना। छोड़ कर दूर हटना। उ०- रही किनारे बैठ। कबीर।
किनारे रहना	दूर रहना। बचना।
किनारे लगना	पार पहुंचना। (किसी कार्य का) समाप्ति पर पहुंचना। काम समाप्त होना।
किनारे लगाना	पार पहुंचाना। (किसी कार्य को) समाप्ति पर पहुंचाना। पूरा करना। निर्वाह करना।
किनारे होना	अलग होना। दूर हटना। सम्बन्ध छोड़ना। छुट्टी पाना। मतलब न रखना।
किरकिरी होना	बदनामी होना। अपमान होना। हेठी होना।
किरन फूटना	सूर्योदय होना।
किराया उतारना	भाड़ा वसूल करना।
किराये करना	किराये पर लेना।
किराये के	व्यर्थ के। अयोग्य (लोग)।
किराये पर देना	अपनी वस्तु को दूसरे के व्यवहार के लिए कुछ धन के बदले में देना।
किराये पर लेना	दूसरे की वस्तु का कुछ दाम देकर व्यवहार करना।
किरिया धराना	कसम देना।

किला टूटना — किसी बड़ी भारी कठिनता या अड़चन का दूर होना। किसी दुःसाध्य कार्य का पूरा होना।

किला फतह करना — महा कठिन काम कर लेना। अत्यन्त विकट कार्य करने में सफलता प्राप्त करना। किला जीत लेना

किला बांधना — शतरंज के खेल में बादशाह को किसी घर में सुरक्षित रखना जिसमें प्रतिपक्षी जल्दी मात न कर सके।

किला सर करना — किला जीत लेना। अति कठिन कार्य करना।

किल्ला गाड़ कर बैठना — अटल होकर बैठना।

किल्ली ऐंठना — पैंच घुमाना। किसी का मत फेर देने की युक्ति करना। जोड़-तोड़ लगाना।

किल्ली घुमाना — दांव पैंच चलाना। किसी का मत फेर देने की युक्ति करना। जोड़-तोड़ लगाना।

(किसी की) किल्ली हाथ में होना — किसी से मनचाहा काम करा लेने की युक्ति मालूम होना।

किवाड़ देना — किवाड़ बंद करना।

किवाड़ बंद हो जाना — घर में किसी का न रहना, सबका मर जाना।

किसी ओर फिरना — प्रवृत्त होना। झुकना। उ०- तसि मति फिरी अहइ जसि भावी। तुलसी ।

किसी का कुछ जानना — किसी का सहायतार्थ दिया हुआ धन या किया हुआ उपकार स्मरण रखना। किसी के किये हुए उपकार के लिए कृतज्ञ होना।

किसी का तौलना — किसी की खुशामद करना।

किसी का सर पूजना — किसी की बराबरी तक पहुंचना।

किसी का होना — किसी के अधिकार में, अधीन या आज्ञावर्ती होना। सेवक होना। दास होना। उ०- तुलसी तिहारो, तुम ही तें तुलसी को हित राखि कहौं

	जौ पै तौ ह्वै हौं माखी घीव की। तुलसी । किसी का प्रेमी या प्रेमपात्र होना।उ०- अब तौ कान्ह भए कुबजा के क्यों कहिहैं तुव पै री।सूर। किसी का आत्मीय या सम्बन्धी होना।उ०- देस में रहैंगे,परदेस में रहैंगे,काहू भेष में रहैंगे राउ रावरे कहावैंगे। अनीस ।
किसी काम पर तुलना	कोई काम करने के लिए उद्यत होना।
किसी की आंखों में सलाई फेरना	आंखों में सुरमा या औषध लगाना।किसी को अंधा करने के लिए सलाई गरम करके आंखों में लगाना।आंखें फोड़ना।
~~(किसी की)दिल्ली हाथ में होना~~	~~किसी से मनचाहा काम करा लेने की युक्ति मालूम होना।~~
किसी की चमकना	किसी की श्रीवृद्धि होना।किसी की बढ़ती और कीर्ति होना।
किसी की चलना	(किसी का)उपाय लगना।वश चलना।प्रयत्न सफल होना।उ०- अंग निरखि अनंग लज्जित सकै नहिं ठहराय।एक की कहा चलै शत शत कोटि रहत लजाय। सूर ।
किसी की चलाना	प्रसंगवश किसी का जिक्र करना।किसी के बारे में कुछ कहना।
किसी की शान में	किसी बड़े के सम्बन्ध में।किसी के प्रति या किसी के विषय में।
किसी की हेकड़ी भुलाना	किसी को पराजित करके उसका अभिमान नष्ट करना।
किसी के आगे की थाली खींचना	किसी के निश्चित लाभ में बाधक होना।
किसी के कान भरना	चुगली करना।छिप कर बुराई या निंदा करना।
किसी के ख्याल पड़ना	किसी के पीछे पड़ना।किसी को तंगया परेशान करने पर उतारू होना।उ०- राधा मन में यही विचारति।ये सब मेरे ख्याल परी हैं अबहीं बातन ले निरुवारति। सूर ।

किसी के जिम्मे रूपया आना	किसी के ऊपर ऋण स्वरूप रूपया होना। ठहरना।
किसी के जोर पर कूदना	किसी को अपनी सहायता पर देखकर अपना बल दिखाना।
किसी के ठौर	किसी के स्थानापन्न।किसी के तुल्य।उ०- किबल के ठौर बाप बादसाह साहजहां ताको कैद कियौ मानौ मक्के आगि लाई है। भूषण
किसी के नाम का खुतबा पढ़ा जाना	सर्वसाधारण को सूचना देने के लिए कि किसी के सिंहासनाधीन होने की घोषणा होना।
किसी के नाम डालना	किसी के नाम के आगे लिखना।किसी के जिम्मे लिखना।
किसी के पंथ लगना	किसी के पीछे होना।अनुसरण करना।अनुयायी होना।किसी के पीछे पड़ना।बराबर तंग करना लगातार कष्ट देना।उ०- किन्नर,सिद्ध,मनुज, सुर नागा।हठि साब ही के पंथहि लागा। तु । तुलसी ।
किसी के पैर की धूल होना	किसी की तुलना में अत्यन्त तुच्छ होना।
किसी के बल पर कूदना	किसी का सहारा पाकर बहुत बढ़-बढ़ कर बोलना।
किसी के मुंह पर चन्दन पोतना	किसी की कीर्त्ति पर कलंक लगाना।कालिख पोतना। (व्यंग्य)
किसी के मुंह पर तोबड़ा चढ़ाना	किसी को बोलने से रोकना।मुंह बन्द करना।
किसी के रहते	किसी की विद्यमानता में।उपस्थिति में।
किसी के लिए मरना	हैरान होना।कष्ट सहना।
किसी के लेखे	किसी की समझ से।किसी के विचार के अनुसार।उ०- नर बानर केहि लेखे माहीं। राम
किसी के सिर सेहरा बंधना	किसी का कृतकार्य होना।औरों से अधिक यश या कीर्त्ति होना।श्रेय मिलना।

किसी के सुर में सुर मिलाना	किसी की हां में हां मिलाना।चापलूसी करना।
किसी के हाथ बिकना	किसी का अनुचर,सेवक या दास होना।किसी का गुलाम बनना।उ०- बापु जितेरिन हाथ बिकानी। रत्ना० ।
किसी को औसाना	किसी को खूब फटकारना।
किसी को कुछ आना	किसी को कुछ बोध होना।किसी को कुछ ज्ञान होना।
किसी को कुछ आना जाना	किसी को कुछ बोध या ज्ञान होना।
किसी को दीवार में चुनना	जीते जी किसी को दीवार में गड़वा देना। किसी मनुष्य को खड़ा करके उसके ऊपर ईंटों की जोड़ाई करना।
किसी (आदमी)को पीसना	बहुत भारी अपकार करना या हानि पहुंचाना नष्ट प्राय कर देना।चौपट कर देना।
(किसी का)किसी घाट लगना	कहीं ठिकाना या आश्रय पाना।
किसी न किसी	कोई न कोई।कोई एक। एक न एक ।
किसी पर किसी को छोड़ना	किसी के पीछे किसी को दौड़ाना।किसी को पकड़ने,तंग करने या चोट पहुंचाने के लिए उसके पीछे किसी को लगा देना।
किसी पर गुजरना	किसी पर संकट या विपत्ति पड़ना।
किसी पर छोहाना	किसी पर स्नेह प्रकट करना।किसी पर दया या अनुग्रह करना।
किसी पर टाल देना	समय बिताना।अपनी जान बचाते हुए दूसरे को निर्देश कर देना।
किसी पर डांट रखना	किसी पर शासन या दबाव रखना।
किसी (व्यक्ति या वस्तु)पर न थूकना	अत्यन्त घृणा करना।तनिक भी पसन्द न करना।अत्यन्त तुच्छ समझकर ध्यान तक न देना।
किसी पर मरना	लुब्ध होना।आसक्त होना।

किसी पर रौशन होना — किसी पर जाहिर होना। प्रकट होना। मालूम होना।

किसी पर हंसना — विनोद की बात कहकर किसी व्यक्ति या वस्तु को तुच्छ या मूर्ख ठहराना। उपहास करना। व्यंग्यपूर्ण निंदा करना। अनादर करना। उ०- (क) हंसिबे जोग, हंसै नहिं खोरी। तुलसी। (ख) हंसहि मलिन खल विमल बतकही। तुलसी।

किसी बात का ठहरना — किसी बात का संकल्प होना। विचार स्थिर होना। ठनना। किसी बात का पक्का होना।

किसी बात का रोना होना — किसी बात का कष्ट या अभाव होना।

किसी बात को गठिया रखना — किसी बात को निश्चय समझना।

किसी बात को पीटना — किसी व्यक्ति की मृत्यु का शोक करना। किसी व्यक्ति के मरने पर छाती पीटना।

किसी बात पर जाना — किसी बात के अनुसार कुछ अनुमान या निश्चय करना। किसी बात को ठीक मानकर उस पर चलना। किसी बात पर ध्यान देना।

किसी बात पर ठनना — किसी बात या काम को करने के लिए उद्यत होना।

किसी बात से भी गये — इतनी बात से भी वंचित रहे ? इतना करने के भी अधिकारी या पात्र न रहे ? इतने में भी चूकने वाले हो गये ?

किसी वस्तु को रोना — किसी वस्तु के लिए पछताना या शोक करना। किसी वस्तु का दुःख मानना।

किसी व्यक्ति को। के लिए पीटना — किसी व्यक्ति की मृत्यु का शोक करना। किसी के मरने पर छाती पीटना। मातम करना। उ०- आंख फूटे जो नजर भर देखे। मुझको पीटे अगर इधर देखे। उर्दू कवि ।

किस्मत आजमाना — भाग्य की परीक्षा करना। किसी कार्य को हाथ में लेकर देखना कि उसमें सफलता होती है या नहीं।

किस्मत उलटना	भाग्य खराब होना।
किस्मत का धनी	भाग्यवान।बड़े भाग्यवाला।
किस्मत का फेर	बदकिस्मती।जमाने का उलट-फेर।
किस्मत का लिखा	जो भाग्य में बदा हो।नियति।
किस्मत खुलना	भाग्य अच्छा होना।
किस्मत चमकना	भाग्य प्रबल होना।बहुत भाग्यवान होना। बढ़ती के दिन आना।
किस्मत जगना	भाग्य का अनुकूल होना।भाग्य का प्रबल होना। बहुत भाग्यवान होना।
किस्मत जागना	भाग्य का अनुकूल होना।भाग्य का प्रबल होना। बहुत भाग्यवान होना।बढ़ती के दिन आना।
किस्मत पलटना	भाग्य में परिवर्तन होना।प्रारब्ध का अच्छे से बुरा या बुरे से अच्छा होना।
किस्मत फिरना	भाग्य में परिवर्तन होना।प्रारब्ध का अच्छे से बुरा या बुरे से अच्छा होना।
किस्मत फूटना	भाग्य का मंद पड़ना।
किस्मत लड़ना	भाग्य की परीक्षा होना।भाग्य खुलना। प्रारब्ध अच्छा होना।भाग्य का अनुकूल होना।
किस्सा कोताह करना	थोड़े में मतलब की बात कहना।
किस्सा कोताह यह	थोड़े में।संक्षेप में यह।सारांश।
किस्सा खड़ा करना	काण्ड खड़ा करना।झगड़ा खड़ा करना।
किस्सा खतम करना	झगड़ा मिटाना।झंझट दूर करना।किसी वस्तु या विषय की समूल नष्ट करना।
किस्सा खत्म होना	झगड़ा मिटना।किसी वस्तु या विषय का समूल नष्ट होना।
किस्सा तमाम होना	झगड़ा खत्म होना,मिटना।मरना।

किस्सा नाधना	अपनी बीती सुनाना।अपने कष्ट का वृत्तान्त आरम्भ करना।झगड़ा खड़ा करना।
किस्सा पाक होना	झगड़ा खत्म होना,मिटना।मरना।
किस्सा बढ़ाना	किसी वृत्तान्त को विस्तार से कहना।
किस्सा मोल लेना	झगड़ा खड़ा करना।
कीचड़ में फंसना	असमंजस में पड़ना।संकट में पड़ना।कठिनाई में पड़ना।
कीड़ा काटना	चुनचुनाहट होना।बेचैनी होना।चंचलता होना। जी उकताना।
कीड़ा पड़ना	(वस्तु में) कीड़े उत्पन्न होना।दोष होना। ऐब होना। (किसी चीज का)सड़,बिगड़ जाना।
कीड़ा लगना	कीड़ों का किसी चीज (कपड़ा,किताब आदि को) खा जाना या उसमें घर करना।
कीड़ा होना	किसी बात या कार्य में व्यस्त होना।
कीमत ठहरना	मूल्य निश्चित करन होना।दाम तै होना।
कीमत ठहराना	मूल्य निश्चित करना।दाम तै करना।
कीमा करना	किसी चीज के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े करना। रेजा-रेजा करना।
कुंजरो नरो	हाथी या मनुष्य।स्वेत या कृष्ण।यह या वह। अनिश्चित या दुबधे की बात।उ०ब सीहों सुमिरत नाम सुधारस पेखत परसि धोरा। स्वारथ हू परमारथ हू को नहिं कुंजरो नरो। ।तुलसी।
(किसी की)कुंजी हाथ में होना	किसी का वश में होना।किसी की चाल या गति का वश में होना।
कुंड पड़ना	नदी के बहाव में किसी स्थान का अत्यन्त गहरा पड़ जाना।
कुंडी	

कुंडली की विधि मिलना	कुंडली में लिखी बात का पूरा होना।फलित ज्योतिष द्वारा बताई हुई बात का ठीक घटना।
कुंडी खटखटाना	दरवाजा खुलवाने के लिए सांकल को इस तरह हिलाना कि जोर की आवाज हो।
कुंद छुरी से हलाल करना	बहुत कष्ट देना।सताना।
कुंदन सा दमकना	स्वच्छ सोने की भांति चमकना।
कुंदन हो जाना	खूब स्वच्छ और निर्मल हो जाना।निखर जाना।
कुंदा कसना	दूध से खोवा तैयार करना।
कुंदा भुनना	दूध से खोवा तैयार करना।
कुंदा होना	मोटा या स्थूल होना।
कुंदे जोड़,तोल या बांधकर उतरना,गिरना	उतरना।गिरना।(पक्षी का)परों को समेटकर धरती पर आना।
कुंदे तोलना	पक्षी का डैने फैलाकर उड़ने की चेष्टा करना।
कुआं खोदना	दूसरे की बुराई करना।दूसरे का नाश करने या उसे हानि पहुंचाने का प्रयत्न करना। जीविका के लिए परिश्रम करना।
कुआं चलाना	कुएं से खेत सींचने के लिए पानी निकालना।
कुआं जोतना	कुएं से खेत सींचने के लिए पानी निकालना।
कुआं झंकाना	परेशान करना।तलाश में दौड़ाना।
कुआं झंकना	यत्न में इधर उधर दौड़ना।खोज में चारों ओर मारे-मारे फिरना।कोशिश में हैरान होना।
कुआं में गिरना	आपत्ति में फंसना।जान-बूझकर विपत्ति में पड़ना।जान देने के लिए कुएं में कूदना।
कुएं की मिट्टी कुएं में लगना	जहां की आमदनी हो वहीं खर्च होना।

कुएं पर से प्यासे आना	कार्य सिद्धि की जगह से निराश लौटना।
कुएं में गिरना	विपत्ति में पड़ना।
कुएं में डालना	जन्म नष्ट करना।सत्यानाश करना।लड़की को बुरे घर में डाल देना,उसकी जिन्दगी बरबाद कर देना।
कुएं में ढकेलना	लड़की को बुरे घर में डाल देना,उसकी जिन्दगी बरबाद कर देना।
कुएं में बांस डालना	बहुत तलाश करना।बहुत ढूंढना।बहुत छानबीन करना।
कुएं में बांस पड़ना	बहुत खोज कर होना।
कुएं में बोलना	इतने धीरे से बोलना कि सुनाई न पड़े।
कुएं में भांग पड़ना	मंडली की मंडली उन्मत्त होना।सब की बुद्धि मारी जाना।घर के घर का बेवकूफ बन जाना।
कुचल देना	पीस डालना।बल तोड़ देना।
कुछ कर देना	जादू टोना कर देना।मंत्र प्रयोग कर देना।
कुछ कर बैठना	कोई अनुचित,अनिष्ट बात कर डालना।
कुछ कह बैठना	कड़ी बात कह देना।ऊंची नीची सुना देना।गाली देदेना।
कुछ कहना	कड़ी बात कहना।गाली देना।बिगड़ना।उलटा।और का और।
कुछ का कुछ	उलटा।और का और।
कुछ खा कर मर जाना	विष खा कर मर जाना।
कुछ खा लेना	विष खा लेना।
कुछ घर में आना	अपना लाभ होना।प्राप्ति होना।
कुछ चिन्ता नहीं	कुछ परवाह नहीं।कोई खटके की बात नहीं।
कुछ न चलना	वश न चलना।
कुछ न ठहरना	अयोग्य सिद्ध होना।

कुछ न पूछिये	कहने की बात नहीं।क्या कहना।क्या बात है
कुछ न होना	निष्फल या अयोग्य होना।
कुछ पढ़कर मारना	मंत्र से फूंककर कोई चीज किसी पर फेंकना (जादू टोना)।
कुछ लगाना	(अपने आपको)बड़ा या श्रेष्ठ समझना।अपने धन,बल आदि का गर्व करना।
कुछ समझना	(अपने आपको)बड़ा समझना।अपने धन,बल आदि का गर्व करना।
कुछ सुनोगे	ऊंचा नीचा सुनोगे।गाली खाओगे।
कुछ हो	चाहे जो हो।
कुछ हो जाना	कोई रोग या भूत-प्रेत की बाधा हो जाना। किसी योग्य हो जाना।गणमान्य हो जाना।
कुट्टी करना	चारा काटना।मित्रता भंग करना।
कुठांव मारना	मर्म स्थान पर मारना अथवा ऐसे स्थान पर ले जाकर मारना जहां बहुत कष्ट या दुर्गति हो।घोर आघात पहुंचाना।बुरी मौत मारना। उ०- धरम धुरंधर धीर धरि नयन उघारे राव। सिर धुनि लीन्ह उसास असि मारेसि मोहिं कुठांव। तुलसी ।
कुड़कुड़ी होना	किसी बात को जानने के लिए गहरी उत्कंठा या आकुलता होना।पेट में चूहे कूदना।
कुडुक बोलना	व्यर्थ होना।खाली जाना।
कुतका दिखलाना	किसी चीज के देने से साफ इनकार कर जाना। अंगूठा दिखलाना।
कुत्ते का काटना	सनक जाना।पागल हो जाना।
कुत्ते का दिमाग होना	अत्यधिक बकवाद करने की शक्ति होना। बहुत बक्की होना।
कुत्ते का भेजा खाना	बहुत बक्की होना।

कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती	प्रकृतिगत बुटाई पर समझाने बुझाने का कोई असर नहीं होता।
कुत्ते की नींद	ऐसी नींद जो जरा से खटके से खुल जाय।
कुत्ते की मौत मरना	बहुत बुरी तरह से मरना।
कुत्ते की हुड़क उठना	अचानक या कुसमय में किसी वस्तु के लिए आतुर होना।
कुत्ते की हुड़क	पागल कुत्ते के काटने से होनेवाला जलातक रोग का दौरा।
कुत्ते के पांव जाना	बहुत तेज दौड़ते हुए जाना।
कुत्ते के भूंकने से हाथी नहीं डरता	शक्तिशाली पुरूष तुच्छ आदमी के बकबकाने की परवाह नहीं करता।
कुत्ते घसीटना	नीच और तुच्छ कार्य करना।
कुदक्का मारना	इधर उधर कूदते फिरना।
कुदाल बजना	(घर का)खोदा जाना।
कुनबा जोड़ना	नाते गोते के लोगों को इकट्ठा करना। परिवार जुटाना।उ०- कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा।भानुमती ने कुनबा जोड़ा।
कुप्पा लुढ़कना	किसी बड़े आदमी का मरना।अधिक व्यय होना।
कुप्पा सा मुंह करना	मुंह फुलाना।रूठकर बोल चाल बंद करना।
कुप्पा होना	फूल जाना।सूजना।वरम होना।मोटा होना। रूठना।रूठकर बोल चाल बंद करना।
(किसी की)कुमक पर होना	किसी का हिमायत करना।पक्ष लेना।तरफ-दारी करना।मददगार होना।
कुरबान करना	न्यौछावर करना।वारना।उ०- चंचल चारू विशाल विवि लोचन मोचन मान।चितत दिठि कब देखिहों मन को करि कुरबान। विश्राम।

कुरबान जाना	न्यौछावर होना।बलि जाना।
कुरबान होना	न्यौछावर होना।मरना।प्राण देना।
कुरसी देना	आदर करना।
कुरसी पाना	पद,अधिकार या सम्मान पाना।
कुरान उठाना	कुरान की कसम खाना।
कुरान का जामा पहनना	धर्मनिष्ठ बनना।
कुरान पर हाथ रखना	कुरान की कसम खाना।
कुरियाल में आना	चिड़ियों का आनन्द में होना।मौज में आना। आनन्द या उमंग में होना।
कुरियाल में गुलेला लगना	रंग में भंग होना।आनन्द में विघ्न पड़ना।
कुरी कुरी होना	टुकड़े टुकड़े होना।उ०- जाके रूप आगे रंभा रति उरबसी शची हची मान मैनका को हवै गयो कुरी कुरी। रघुनाथ ।
कुर्की उठाना	जब्त की हुई जायदाद को छोड़ देना।
कुर्की बैठाना	कुर्क करना।जब्त करना।
कुल बखानना	वंश विरदावली वर्णन करना।बहुत गालियां देना।
कुल्हिया में गुड़ फोड़ना	कोई कार्य इस प्रकार करना जिसमें किसी को कानो कान खबर न हो।गुप्त रीति से कोई कार्य होना।गुप्त रीति से कोई पाप होना। छिपे छिपे कोई सलाह होना।
कुशादा करना	खेलना।फैलाना।चौड़ा करना।
कुश्ती खाना	कुश्ती में हार जाना।
कुश्ती बराबर रहना	कुश्ती में किसी का न हारना।दोनों पक्षों का बराबर रहना।
कुश्ती मारना	कुश्ती जीतना।कुश्ती में विपक्षी को पछाड़ना

कुसुम का रोग	रजस्त्राव का रोग।
कूंची देना	कूंची से रंग चढ़ाना।कूंची से साफ करना। निखारना।खेत को एक कोने से दूसरे कोने तक जोतना।
कूंचे काटना	घोड़े की नस काटकर बेकाम कर देना।
कूच कर जाना	मर जाना।
कूच का डंका बजना	सेना का रवाना होना।मर जाना।
कूच का नक्कारा बजना	फौज का रवाना होना।प्रस्थान करना।
कूच बोलना	कूच करना।प्रस्थान करना।रवानगी का आदेश देना।
कूचा फांकना	इधर उधर ठोकर खाना।गली गली मारा मारा फिरना।
कूट कूट कर भरना	ठूंस ठूंस कर भरना।कस कसकर भरना।ठसाठस भरना।
कूट कूट कर भरा होना	(किसी दोष या गुण की)अतिशयता, अत्यधिकता होना।
कूल्हा मटकाना	चूतड़ मटकाना।
कूल्हा सरकना	कूल्हे का अपनी जगह से हट जाना।
कैं कैं करना	पील्ले की तरह चीखना।
कैंचुल में आना	कैंचुल छोड़ने पर होना।
कैंचुली फाड़ना	सांप का कैंचुली छोड़ना।
कैंचुली बदलना	पोशाक बदलना।कपड़ा बदलना।पुराना रूप छोड़कर नया रूप धारण करना। (व्यंग्य)। सांप का कैंचुली फाड़ना।
कैकड़े की चाल	टेढ़ी तिरछी चाल।
कैस न टार सकना	कुछ भी हानि न पहुंचा सकना।बाल बांका न कर सकना।

कैंची करना	काटना।छांटना।
कैंची काटना	नजर बचाकर निकल जाना।कतराना।रास्ता काटकर निकल जाना।पहले कहकर फिर किसी बात से यनकार कर जाना।काट जाना।
कैंची बांधना	दोनों रानों से दबाना (सवार)।विपक्षी को अपने नीचे लाकर दोनों रानों से दबाना (कुश्ती)।
कैंची लगाना	काटना।छांटना।कलम करना।सिर के बालों को कैंची से काटना।बाल छांटना।दो या अधिक लकड़ियों को कैंची की तरह एक दूसरे के ऊपर तिरछा रखना या बांधना।
कैंड़ा करना	सरसरी तौर से नापना।अन्दाजा करना। डौल डालना।
कैंड़ा लेना	चिट्ठा लेना।साका उतारना।
कैद काटना	कैद में दिन बिताना।कैद में रहना।
कैद भोगना	कैद में दिन बिताना।कैद में रहना।
कैफियत तलब करना	कारण पूछना।जवाब मांगना।
कोंछ भरना	अंचल के कोने में चावल,मिठाई,हलदी,नारीयल आदि मंगल द्रव्य डालना।
कोंछ भरी रहना	पुत्रवती रहना।
कोई एक	जो चाहे सो एक।
कोई सा	जो चाहे सो एक।
कोई दकीका बाकी न रखना	कोई उपाय बाकी न रखना।सब उपाय कर डालना।
कोई दम का मेहमान	थोड़े ही काल तक और जीनेवाला।शीघ्र मरनेवाला।
कोख उजड़ जाना	सन्तान मर जाना।बालक मर जाना।गर्भ गिर जाना।

कोख उजड़ना	सन्तान मर जाना। गर्भ गिर जाना।
कोख की आंच	सन्तान का वियोग। सन्तान का कष्ट।
कोख को धन्य होना	सुयोग्य पुत्रवती होना।
कोख खुलना	बांझपन दूर होना।
कोख ठंढी रहना	बालक या बालक और पति का सुख देखते रहना। (आसीस)।
कोख ठंढी होना	स्त्री का सन्तान प्रसव करके सुखी होना।
कोख बंद होना	बन्ध्या होना। सन्तति उत्पन्न करने के अयोग्य होना।
कोख मांग से भरी पूरी रहना	बालक या बालक और पति का सुख देखते रहना। (आसीस)।
कोख मारी जाना	बन्ध्या होना। सन्तति उत्पन्न करने के अयोग्य होना।
कोख सिराना	कोख ठंढी होना।
कोखें लगना	पेट खाली रहने या अत्यधिक भूख लगने के कारण पेट अन्दर धंस जाना।
कोचा करेला	वह चेहरा जिस पर शीतला के हुए बहुत से दाग हों।
कोठा खींचना	लकीरों से खाना बनाना।
कोठा बिगड़ना	अपच आदि रोग होना। गर्भाशय में किसी प्रकार का रोग होना।
कोठा भरना	हिन्दुओं में कार्त्तिक स्नान करनेवाली स्त्रियों का विशेष तिथियों को भूमि पर ३५ खाने खींचकर ब्राह्मण को दान देने के अभिप्राय से उनमें अन्न वस्त्र आदि पदार्थ भरना।
कोठा साफ होना	साफ दस्त होने के बाद पेट का हलका हो जाना। अन्तःकरण का शुद्ध होना। हृदय में कोई बुरा विचार न रहना।

कोठी करना	महाजनी का काम शुरू करना।लैन दैन का व्यवहार करना।कोई बड़ा कारोबार शुरू करना। बड़ी दुकान खोलना।
कोठी खोलना	महाजनी का काम शुरू करना।लैन दैन का व्यवहार करना।कोई बड़ा कारोबार शुरू करना
कोठी गलना	कुएं या पुल के खम्भे में जमवट या गोले के ऊपर की जोड़ाई को नीचे धंसाना।
कोठी चलना	महाजनी का कारोबार होना।लैन दैन का व्यवहार होना।
कोठी बैठना	दिवाला निकलना।कारोबार में घाटा होना।
कोठे पर चढ़ना	किसी ऐसे स्थान पर पहुंचना जहां सब लोग देख सकें।अधिक ज्ञात या प्रसिद्ध होना।
कोठे पर बैठना	वेश्या बनना।कसब कमाना।
कोठों में चित जाना	अनेक प्रकार की आशंकायें होना।
कोठों में चित मरमना	अनेक प्रकार की आशंकायें होना।
कोढ़ चूना	कोढ़ के कारण अंगों का गल गलकर गिरना।
कोढ़ टपकना	कोढ़ के कारण अंगों का गल गलकर गिरना।
कोढ़ में खाज	दुःख पर दुःख।विपत्ति पर विपत्ति ।उ०- एक तो कराल कलिकाल सूल मूल तामै,कोढ़ में की खाजु सी सनीचरी है मीन की। तुलसी।
कोथला भरना	मौज करना (व्यंग्य)।
कोदों दलना	निकृष्ट पर अधिक परिश्रम का काम करना।
कोदों देकर पढ़ना	अधूरी या बेढंगी शिक्षा पाना।सँग में पढ़ना, फलतः कुछ सीख न पाना,मूर्ख रह जाना।
कोदों देकर सीखना	अधूरी या बेढंगी शिक्षा पाना।
कोन देना	कोने पर से रुख को घुमाना।

कौन मारना	जीतने में छूटे हुए कोनों को गोड़ना।
कौना अंतरा	घर के भीतर का वैसा स्थान जहां दृष्टि ज जल्दी न पड़ती हो। छिपा स्थान।
कौना छांटना	बढ़े हुए या धारदार किनारे को कम या बराबर करना।
कौना झांकना	भय या लज्जा से जी चुराना। किसी बात से बचने का उपाय करना।
कौना दबना	दबाव या वश में होना। कस में होना।
कौना निकालना	किनारा बनाना।
कौना मारना	बढ़े हुए या धारदार किनारे को कम या बराबर करना।
कौने में बैठ रहना	एकान्त में छिपकर बैठ रहना।
कौने में रहना	थोड़ी जगह में अलग या एकान्त रहना।
कौने में होना	चौथाई का भागी होना (दलाली)।
कौने से	चार आने फी रूपयेके हिसाब से।
कोयले की दलाली में हाथ काला	बुरे काम से बदनामी ही हाथ लगती है।
कोयलों पर मुहर	केवल छोटे और तुच्छ खर्चों की अधिक जांच पड़ताल होना। छोटे और तुच्छ पदार्थ की अधिक और अनावश्यक रक्षा होना।
कोर दबना	दबाव या वश में होना।
कोर निकालना	किनारा बनाना।
कोर मरी रहना	पुजती रहना।
कोरट छूटना	जायदाद का कोर्ट आफ वार्ड्स के प्रबन्ध से निकलना।
कोर्ट बैठना	किसी जायदाद का कोर्ट आफ वार्ड्स के प्रबन्ध में लिया जाना।

कोर्ट होना	किसी जायदाद का कोर्ट आफ वाड्र्स के प्रबन्ध में लिया जाना।
कोरा उस्तरा	वह उस्तरा जिस पर ताजा सान रखा हो। वह साना रखा हुआ छुरा जो चलाया न गया हो।
कोरा घोड़ा	निर्लज्ज।
कोरा छुरा ~~ब~~	वह सान रखा हुआ छुरा जो चलाया न गया हो।
कोरा जवाब	= साफ इन्कार। स्पष्ट शब्दों में अस्वीकार।
कोरा पिंडा	अछूता शरीर। बिना व्याहा पुरुष या बिन व्याही स्त्री।
कोरा बरतन	मिट्टी का वह बरतन जिसमें पानी न डाला गया हो। नवोढ़ा स्त्री। अछूती कुमारी।
कोरा रह जाना	कुछ न पाना। सिद्ध लाभ न करना। वंचित रह जाना।
कोरा सिर	वह सिर जिसमें छुरा ल न लगा हो। वह सिर जिसमें पेट के बाल हों। वह मला हुआ सिर जिसमें तेल न लगा हो।
कोरी धार	= हथियार की धार जिस पर सान अभी रखी गयी हो।
कोरी चोट	= तेज
कोरे छुरे से मूंड़ना	ताजी धार के छुरे से सिर मूंड़ना जिसमें बाल जड़ से मुड़ जाय अथवा बड़ा कष्ट हो। सूखा मूंड़ना। बिना पानी लगाये मूंड़ना। खूब लूटना। म खूब फंसना।
कोल्हू का बैल	कड़ी मेहनत करने, हर समय पिसनेवाला। एक ही जगह चक्कर खानेवाला।
कोल्हू काटकर, मुंगरी बनाना	कोई छोटी चीज बनाने के लिए बड़ी चीज नष्ट करना। थोड़े से लाभ के लिए बड़ी हानि करना।
कोल्हू में डालकर पेरना	= बहुत अधिक कष्ट पहुंचाना।
कोसना काटना	शाप और गाली देना।
कोसों दूर भागना	अलग रहना। बहुत बचना।

कौसों दूर रहना — अलग रहना। बहुत बचना।

कौआ उड़ाना — कहीं बैठे हुए कौए को उड़ाकर किसी प्रिय के आने या न आने का शकुन देखना।

कौड़ी ऊंट बिकना — बहुत सस्ते मूल्य पर बिकना।

कौड़ी कफन को न होना — बिलकुल मुफलिस, मुहताज होना।

कौड़ी काम का न होना — किसी काम का न होना। निकम्मा। निकृष्ट।

कौड़ी के तीन तीन — बहुत सस्ता, जिसे कोई न पूछे।

कौड़ी के तीन बिकना — बहुत सस्ता बिकना।

कौड़ी के तीन होना — बहुत सस्ता होना। तुच्छ होना। बेकदर होना। नाचीज होना। नगण्य होना।

कौड़ी के मोल — बहुत सस्ता या सस्ते में।

कौड़ी कौस दौड़ना — एक कौड़ी के पीछे कोसों का धावा मारना। थोड़ी सी वस्तु के लिए बहुत परिश्रम करना।

कौड़ी कौड़ी — एक एक कौड़ी!

कौड़ी कौड़ी का हिसाब — छोटी से छोटी रकम का, पाई पाई का हिसाब।

कौड़ी कौड़ी को मुहताज — रुपये पैसे से बिलकुल खाली। दरिद्र। अति निर्धन।

कौड़ी कौड़ी चुका देना — सब ऋण चुका देना। कुल बेबाक कर देना।

कौड़ी कौड़ी जोड़ना — बहुत थोड़ा थोड़ा करके धन इकट्ठा करना। एक एक पैसा जोड़ना।

कौड़ी कौड़ी भर पाना — सारा लहना वसूल कर लेना।

कौड़ी जलना — भूख, क्रोध आदि से शरीर में ताप होना।

कौड़ी न पूछना — मुफ्त भी न लेना। बिलकुल निकम्मा समझना। नितान्त तुच्छ ठहराना। कुछ भी आदर न करना।

कौड़ी फिरना — जुए में अपना दांव पड़ने लगना। फौजी सिपाहियों का किसी विषय में एकमत होना।

कौड़ी फेरा करना	घड़ी घड़ी आना जाना।बहुत से फेरे लगाना।
कौड़ी लेना	मस्तूल के चारों ओर रस्सी लपेटना। (लश्कर)।
कौन सा	कौन।
कौन होता है ?	क्या अधिकार रखता है। क्या मतलब रखता है क्या सम्बन्ध है।उ०- कौटि मनोज लजावनिहारे सुमुखि कहहु को आहि तुम्हारे। तुलसी ।
कौमार्य भंग करना	किसी पुरूष का किसी कुमारी कन्या से, अथवा किसी स्त्री का किसी कुंआरे पुरूष से पहले पहल सम्भोग करना जिससे उसका कौमार्य नष्ट हो।
(काल)कौर होना	मर जाना।मृत्यु के वश होना।उ०- काल कौर हुवै है छिन माहीं। रामा० ।
कौरी भर कर लेना	आलिंगन करके मिलना।उ०- छत्रसाल त्यों गये बिजौरी।भेंटे रतन साहु भर कौरी। लाल ।
कौरे लगना	किसी बात को चुपचाप सुनने के लिए द्वार के कोने में छिप कर खड़ा होना।किसी घात में छिपा रहना।उ०- मन जिनि सुनै बात यह माई।कौरे लाग्यो होइ गो कितहूं कहि दैहै सो जाई। सूर ।रूठकर द्वार के कोने में खड़ा होना।मुंह फुलाना।
कौल तोड़ना	किसी से की हुई प्रतिज्ञा छोड़ना।प्रतिज्ञा के अनुसार कार्य न करना।
कौल देना	किसी से प्रतिज्ञा करना।वचन देना।
कौल लेना	प्रतिज्ञा कराना।वचन लेना।
कौल से फिरना	किसी से की हुई प्रतिज्ञा छोड़ना।प्रतिज्ञा के अनुसार कार्य न करना।
कौल हारना	किसी से प्रतिज्ञा करना।किसी को वचन देना।
कौले लगना	रूठकर द्वार के कोने में खड़ा होना।किसी बात को चुपचाप सुनने के लिए द्वार के कोने में

छिप कर खड़ा होना।घात में रहना।

कोले सींचना	पूजा,यात्रा आदि के समय द्वार के इधर उधर पानी छिड़कना।
कौवा उठाना	बड़ी या अधिक लटकती हुई घंटी को दबाकर यथास्थान करना।
कौवा गुहार में पड़ना	हुल्लड़ या शोर में पड़ना।बहुत बोलनेवालों के बीच में फंसना।
कौवा गुहार में फंसना	हुल्लड़ या शोर में पड़ना।बहुत बोलनेवालों के बीच में फंसना।
कौवे उड़ाना	व्यर्थ या अनावश्यक कार्य करना।
क्या आये क्या चले	बहुत जल्दी जा रहे हो।अभी थोड़ा और बैठो
क्या उखाड़ना	कुछ न कर सकना।कुछ हानि न पहुंचा सकना।
क्या कहना है ?	(प्रशंसा सूचक वाक्य)धन्य।साधु साधु।शाबास। वाह वाह।बहुत अच्छा है।बहुत बढ़िया है। प्रशंसा के योग्य नहीं है।बहुत बुरा है।बहुत अनुचित है।बिलकुल ठीक नहीं है।ऐसा नहीं है। (व्यंग्य)।
क्या किसी का नाल काटा है ?	क्या किसी की दाई है?क्या किसी को जनानेवाली है?क्या किसी की बड़ी बूढ़ी है?
क्या गुदड़ी है?	क्या बित्त है?क्या मजाल है?
क्या चीज है?	नाचीज है।तुच्छ है।
क्या जाता है?	क्या हानि होतीहै।कौन सा हर्ज होता है? कुछ हानि नहीं।क्या व्यय होता है?क्या लगता है।
क्या जाने?	कुछ नहीं जानते।ज्ञात नहीं।मालूम नहीं।
क्या नाम?	नाम स्मरण नहीं आता।
क्या पड़ी है?	क्या आवश्यकता है?कुछ जरूरत नहीं।उ०- परी कहा तोहिं न्यारी पाप अपने जरि जाहीं।सूर।

क्या पूछना है?	(प्रशंसा सूचक वाक्य)धन्य।साधु साधु।शाबास। बहुत अच्छा है।प्रशंसा के योग्य नहीं है।बहुत बुरा है।अनुचित है।बिलकुल ठीक नहीं है।ऐसा नहीं है।
क्या समझते हैं?	कुछ नहीं समझते हैं।तुच्छ समझते हैं।
क्या से क्या हो गया	बिलकुल बदल गया।और ही दशा हो गई।
क्या हुआ?	क्या हर्ज है।कुछ हर्ज नहीं है।कुछ परवाह नहीं है।
क्यों न हो	तुम ऐसे महानुभाव से ऐसा उत्तम कार्य क्यों न हो?वाह वा !: क्या खूब।धन्य हो।ऐसी विलक्षण बात क्यों न कहोगे?छि. (व्यंग्य)।
क्यों नहीं?	ऐसा ही है।ठीक कहते हो।नि. सन्देह। (किसी बात के समर्थन में)। (स्वीकार में)हां।अवश्य। ऐसा नहीं है।ठीक नहीं कहते हो। (व्यंग्य) कभी नहीं।
क्रम क्रम करके	धीरे धीरे।शनै. शनै. ।उ०- जो कोउ दूरि चलन को करै।क्रम क्रम करि डग डग पग धरै। सूर ।